twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

# दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | बुधवार, 14 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 186, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

## चीन-तुर्किये के किन हथियारों के साथ भारत से लड़ रहा था पाक, नाकाम हुए?

भारत की तरफ से पाकिस्तान के आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की जबरदस्त सफलता के सबूत मिलने जारी हैं। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकियों के नौ ठिकानों से लेकर उसके एयरबेस पर हमले तक की सैटेलाइट तस्वीरें और कई वीडियोज जारी किए हैं। इतना ही नहीं भारत की तरफ से पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को नाकाम करने के लिए कुछ खास हथियारों के इस्तेमाल होने की भी बात सामने आ रही है। इस बीच सोमवार को डीजीएमओ की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन हथियारों की जानकारी दी गई, जिन्हें पाकिस्तान की तरफ से भारत पर हमले के लिए इस्तेमाल किया गया। बड़ी बात यह रही कि पाकिस्तान का एक भी हथियार भारतीय सेना को नुकसान नहीं पहुंचा पाया और इन्हें भारत में मार गिराया गया। उन्होंने पीएल-15 मिसाइल से लेकर तुर्किये के बायकर कामिकाजे ड्रोन्स तक का मलबा दिखाया।

**किन-किन हथियारों से पाकिस्तान ने भारत पर बोला हमला?**

1. चीन की पीएल-15 मिसाइल
2. तुर्किये के बायकर यीहा-III कामिकाजे ड्रोन्स

बायकर यीहा-कक्क ड्रोन्स का निर्माण तुर्किये करता है। यह कामिकाजे वर्ग के ड्रोन्स हैं, जो कि जबरदस्त विस्फोटक सामग्री लेकर दुश्मन के ठिकानों से टकराकर उन्हें तबाह करने की क्षमता रखते हैं।

कामिकाजे ड्रोन्स की खासियत होती है कि वह अपने लक्ष्यों को नुकसान पहुंचाने के लिए उनसे टकराकर खुद भी ध्वस्त हो जाता है। यानी यह एक बार इस्तेमाल किया जाने वाला सिंगल मिशन ड्रोन है।

यह ड्रोन OMTAS टैंक-रोधी गाइडेड मिसाइल की तर्ज पर काम करता है। इसे मिसाइल के आकार में ही बनाया गया है और इसमें पीछे की तरफ प्रोपेलर इंजन दिया गया है। इसके चलते यह लंबे समय तक हवा में रह सकता है। बायकर ड्रोन्स में चीन में बनाया गया डीएलई-170 कम्बशन इंजन लगा है। इससे यह कई सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है और सामने वाले देश के अंदरूनी हिस्सों को निशाना बना सकता है।

# भारत सशस्त्र बलों के प्रति हमेशा आभारी: मोदी

## सेना के साहस को सलाम करने आदमपुर एयरबेस पहुंचे पीएम मोदी; पाकिस्तान के झूठ का किया पर्दाफाश

**नई दिल्ली**

'ऑपरेशन सिंदूर' से पाकिस्तान और उसकी पनाह में पल रहे आतंकियों को सबक सिखाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पंजाब में आदमपुर एयरबेस पहुंचे। यहां उन्होंने सेना के जवानों से मुलाकात की। जालंधर स्थित यह वही एयरबेस है, जिसे नुकसान पहुंचाने का फर्जी दावा पाकिस्तान ने किया था। हालांकि, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने 11 मई की प्रेस कॉन्फ्रेंस में ही इस दावे का खंडन कर दिया था। अब पीएम मोदी ने यहां पहुंचकर दुनिया के सामने पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा को बेनकाब कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, सुबह-सुबह प्रधानमंत्री मोदी आदमपुर एयरबेस पहुंचे। उन्होंने वायु सेना के बहादुर जवानों से बातचीत भी की। इस दौरान वायुसेना के जवानों ने मौजूदा हालात के बारे में जानकारी दी। दौरे की कई तस्वीरें सामने आई हैं। इसमें एक तस्वीर में पीएम मोदी के पीछे भारतीय लड़ाकू विमान की तस्वीर दिखाई दे रही है और उसके ऊपर लिखा है- क्यों दुश्मनों के पायलट ठीक से सो नहीं पाते?

**'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए**

प्रधानमंत्री मोदी वायु सेना के विमान से जालंधर स्थित एयरबेस पहुंचे। पीएम मोदी और सशस्त्र बलों के जवानों ने 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। सभी का जोश इस बात की ओर इशारा कर रहा था कि ऑपरेशन सिंदूर 100 फीसदी सफल रहा और हमारी सेना ने पाकिस्तान को सबक सिखा दिया है। इस दौरे से एक बात और साफ हो गई कि अगर प्रधानमंत्री मोदी का विमान इस एयरबेस पर उतर सकता है तो इसे खरोंच तक नहीं आई है। इस दौरे ने पाकिस्तान के नापाक चेहरे और झूठ की दुकान को दुनिया के सामने ला दिया है।

### भारतीय सशस्त्र बलों को जमकर सराहा था

इससे पहले पीएम मोदी ने सोमवार को देश को संबोधित किया था। पाकिस्तानी आतंकियों के खिलाफ चलाए गए भारत के ऑपरेशन सिंदूर के लिए उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों को जमकर सराहा था। उन्होंने कहा था कि बीते दिनों में हमने देश का सामर्थ्य और उसका संयम दोनों देखा है। मैं सबसे पहले भारत की पराक्रमी सेनाओं, सशस्त्र बलों, हमारी खुफिया एजेंसियों, हमारे वैज्ञानिकों को हर भारतवासी की तरह से सलाम करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए

असीम शौर्य का प्रदर्शन किया। मैं हमारे देश की हर माता को, देश की हर बहन को और देश की हर बेटी को यह वीरता, साहस और पराक्रम समर्पित करता हूं।

**पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर और सीजफायर**

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़े और दो दशक बाद चरम पर पहुंच गए। वहीं पाकिस्तान की तरफ से भारत के शहरों को निशाना बनाए जाने के बाद, भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने सभी को नाकाम करते हुए उसका माकूल जवाब दिया।

### आदमपुर एयरबेस भारत के लड़ाकू विमान मिग 29 का बेस

आदमपुर पहुंचकर पीएम मोदी के पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा को भी तहस नहस कर दिया है। दरअसल, पाकिस्तान ने फर्जी दावा किया था कि उसने भारत के सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाया। इसे लेकर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ कहा था कि सिरसा और आदमपुर एयरबेस को नुकसान पहुंचाने के पाकिस्तानी दावे पूरी तरह से गलत हैं। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान इन एयरबेस की तस्वीरें भी दिखाई गईं थीं, जिनमें दिखाया गया कि वहां सबकुछ सामान्य है। ऐसे में पीएम मोदी के आदमपुर दौरे ने पाकिस्तान के झूठ की पोल पूरी दुनिया के सामने खोल दी है।

**आदमपुर एयरबेस भारत के लड़ाकू विमान मिग 29 का बेस**

पीएम मोदी ने एयरबेस पहुंचकर यह दिखा दिया कि यह पूरी तरह से ऑपरेशनल है। आदमपुर एयरबेस भारत के लड़ाकू विमान मिग 29 का बेस है। एयरबेस पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह भी थे। आदमपुर एयरबेस पाकिस्तान की सीमा के करीब स्थित है। इससे दुश्मन पर तेजी से प्रहार करने में मदद मिलती है।

**'भारत हमारे सशस्त्र बलों के प्रति हमेशा आभारी है'**

प्रधानमंत्री मोदी ने दौरे से जुड़ी कुछ तस्वीरें पीएम मोदी ने 'एक्स' पर साझा की।

वायुसेना स्टेशन आदमपुर गया और हमारे बहादुर वायु योद्धाओं और सैनिकों से मिला। साहस, दृढ़ संकल्प और निडरता के प्रतीक लोगों के साथ रहना एक बहुत ही विशेष अनुभव था।

## सरकार और पूरा देश अपने सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़ी

**जब** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के आदमपुर एयरबेस का अचानक दौरा किया, तो एक तस्वीर बाकी तस्वीरों से अलग थी। इसमें प्रधानमंत्री मोदी जवानों का अभिवादन स्वीकार रहे थे और 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' के नारे लगा रहे थे, तब तस्वीर में पीछे एक मिग-29 लड़ाकू विमान और एक एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम साफ दिखाई दे रहा था। संदेश साफ था- इसने न केवल पाकिस्तान के इस दावे को खारिज किया कि उसने आदमपुर एयरबेस को नुकसान पहुंचाया और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को बर्बाद कर दिया। पीएम मोदी ने यह भी संदेश दिश कि सरकार और पूरा देश अपने सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़ी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही आदमपुर में काफी तनावपूर्ण माहौल था। पाकिस्तान ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद ड्रोन और मिसाइलों से एयरबेस को निशाना बनाया।

## ध्वस्त हो गईं पाकिस्तानी झूठ की 7 'मिसाइलें'

एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भारत के 'सुदर्शन चक्र' ने पाकिस्तान के नापाक इरादों को ध्वस्त कर दिया। जब उसके ड्रोन और मिसाइल आदमपुर में कोई बड़ा नुकसान पहुंचाने में नाकामयाब रहे तो पाकिस्तान ने फर्जी वीडियो जारी किए और अपने दुष्प्रचार अभियान से अफवाह फैलाने की साजिश रची। पाकिस्तानी सेना ने आदमपुर एयरबेस पर क्षतिग्रस्त एस-400 की सैटेलाइट इमेज जारी की। हालांकि, सोशल मीडिया ने पाकिस्तान के इस झूठ को उजागर करने में देर नहीं लगाई, जबकि

भारत ने उसके दावों को खारिज कर दिया। पीएम मोदी की तस्वीरों में भी आदमपुर एयरबेस पूरी तरह से ऑपरेशनल नजर आ रहा है। साफ दिख रहा है कि एयरबेस को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। चाहे लड़ाकू विमान हो या फिर एयर डिफेंस सिस्टम, सभी पूरी तरह से सुरक्षित हैं और दुश्मन के नापाक इरादों को तबाह करने के लिए तैयार है।

**पाकिस्तान के झूठ की पोल पूरी दुनिया के सामने खुली**

आदमपुर पहुंचकर पीएम मोदी के पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा को भी तहस नहस कर दिया है। दरअसल, पाकिस्तान ने फर्जी दावा किया था कि उसने भारत के सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाया। इसे लेकर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ कहा था कि सिरसा और आदमपुर एयरबेस को नुकसान पहुंचाने के पाकिस्तानी दावे पूरी तरह से गलत हैं। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान इन एयरबेस की तस्वीरें भी दिखाई गईं थीं, जिनमें दिखाया गया कि वहां सबकुछ सामान्य है।

## भारत ने डब्ल्यूटीओ में अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा

**नई दिल्ली**

अमेरिका के स्टील पर शुल्क लगाने के फैसले के बाद भारत भी अब अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में स्टील और एल्युमीनियम पर अमेरिका के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि भारत ने विश्व व्यापार संगठन को दिए नोटिस में कहा है कि भारत छूट को समाप्त कर कुछ अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ा सकता है। भारत ने डब्ल्यूटीओ को स्टील और एल्युमीनियम पर वाशिंगटन के शुल्कों के जवाब में कुछ अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया है, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ व्यवस्था के खिलाफ उसकी पहली जवाबी कार्रवाई है, जबकि दोनों देश व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच रहे हैं। जानकारों का कहना है कि भारत का यह फैसला व्यापार हित की रक्षा और वैश्विक व्यापार नियमों के तहत अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। हालांकि, भारत का कहना है कि ये शुल्क एल्यूमिनियम और स्टील पर लगाए गए टैरिफ के जवाब में होगा। भारत ने डब्लूटीओ को बताया है कि अमेरिका भारतीय स्टील और एल्युमीनियम के निर्यात पर शुल्क वसूल रहा है। भारत का कहना है कि अमेरिका के स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर शुल्क लगाए जाने से उसके करीब 7.6 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ा है लेकिन अमेरिका को इस ड्यूटी से 1.91 अरब डॉलर प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया में कच्चे इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ के सामान्य व्यापार और टैरिफ समझौते 1994 और सुरक्षा उपाय पर समझौते का उल्लंघन किया है।

## सीबीएसई 12वीं के नतीजे घोषित, लड़कियों ने मारी बाजी

**नई दिल्ली**

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मंगलवार को 12वीं कक्षा के नतीजे घोषित कर दिए। इस बार कुल 88.39 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। लड़कियों का परीक्षा परिणाम लड़कों से 5.94 प्रतिशत बेहतर रहा। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने बताया कि कक्षा 12वीं की परीक्षा के लिए कुल 17,04,367 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था और 16,92,794 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से 14,96,307 विद्यार्थी सफल हुए हैं। इस साल

88.39 प्रतिशत उम्मीदवार परीक्षा में सफल हुए हैं, जो पिछले साल के 87.98 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। इस साल लड़कियों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत लड़कों से 5.94 प्रतिशत ज?यादा रहा। विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम पिछले साल से 0.41 प्रतिशत अधिक है। इस बार की परीक्षा में 91.64 प्रतिशत लड़कियों ने और 85.70 प्रतिशत लड़कों ने सफलता हासिल की है। वहीं, ह्यट्रांसजेंडरह्व उम्मीदवारों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 100 प्रतिशत रहा है, जो पिछले साल 50 प्रतिशत था। 1.1 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। परीक्षा में इस बार कुल 1,11,544 विद्यार्थियों ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं, जबकि 24,867 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने बताया कि 1.29 लाख से अधिक उम्मीदवारों को पूरक परीक्षा देनी होगी। 2025 में सीबीएसई कक्षा 12 के लिए कुल 1,29,095 विद्यार्थियों को कम्पार्टमेंट श्रेणी में रखा गया है, जो 2024 में 1,22,170 से थोड़ा अधिक है।

## अमृतसर में जहरीली शराब का कहर, 14 की मौत, छह गंभीर

**चंडीगढ़**

पंजाब के अमृतसर में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। इसके अलावा करीब छह अन्य लोगो का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। जहरीली शराब का कहर अमृतसर के मजीठा क्षेत्र में बीती रात बरपा। लोगों की तबीयत बिगड़नी शुरू हुई। बताया जा रहा है कि ज्यादातर लोगों ने घर में तैयार की गई शराब का सेवन किया। पंजाब सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे हैं। जिला उपयुक्त साक्षी साहनी, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, आबकारी विभाग की टीम प्रभावित गांवों भंगाली कलां, मरडी कलां और जयंतीपुर का दौरा कर रही है। पुलिस ने अब तक छह लोगों को हिरासत में लिया है। यह जहरीली शराब कहां से आई और यह कहां तैयार की गई, इसके बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिली है। बताया गया है कि इन गांवों में कुछ लोगों ने शराब पी और सोमवार शाम उनकी तबीयत बिगड़नी शुरू हो गई।

## प्राणी उद्यानों में बर्ड फ्लू से सुरक्षा के लिए कड़ी सावधानी बरती जाए: सीएम

### कर्मचारियों को पीपीई किट और प्रशिक्षण सुनिश्चित करें, बाड़ों की ड्यूटी रिस्क के अनुसार तय करने के निर्देश

**लखनऊ**

प्रदेश में एच-5 एवियन इंफ्लुएंजा (बर्ड फ्लू) संक्रमण की आशंका को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को संबंधित अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के समस्त प्राणी उद्यानों, पक्षी विहारों, नेशनल पार्कों, वेटलैंड क्षेत्रों और गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित पशु-

पक्षियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संक्रमण को रोकने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की गाइडलाइनों के अनुरूप सभी आवश्यक कदम तत्परता से उठाए जाएं। प्राणी उद्यान परिसरों को नियमित रूप से सैनेटाइज किया जाए। आवश्यकतानुसार ब्लो टॉर्चिंग की प्रक्रिया भी अपनाई जाए। सभी वन्य जीवों एवं पक्षियों की जांच की जाए और गहन जांच के उपरांत ही उन्हें आहार उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी कर्मचारियों को एवियन इंफ्लुएंजा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी जाए तथा उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई किट) सहित आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। बाड़ों में नियुक्त कर्मचारियों की ड्यूटी इस जोखिम के स्तर को ध्यान में रखते हुए तय की जाए। राज्य के सभी पोल्ट्री फार्मों की मानकों के अनुरूप विशेष निगरानी की जाए और पोल्ट्री उत्पादों के आवागमन पर सतत नियंत्रण रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि एवियन इंफ्लुएंजा के मनुष्यों पर पड़ने वाले प्रभावों की भी स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से गहन समीक्षा हो, ताकि संक्रमण की कोई भी कड़ी मानव समाज तक न पहुंच पाए। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, स्वास्थ्य मंत्रालय, मत्स्यपालन एवं डेयरी विभाग, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर (बरेली) आदि से लगातार संपर्क बनाकर सुझाव लिए जाएं और आवश्यकतानुसार क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

# अचानक सैन्य कार्रवाई रुकने से हम मौका चूके, ट्रम्प के बयान पर जवाब दें मोदी: कांग्रेस

एजेंसी
**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम घटना और उसके बाद की कार्रवाई पर राष्ट्र के नाम संबोधन जरूर किया लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खतरनाक बयान पर चुप्पी साधकर सबको निराश किया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहलगाम हमले के आतंकवादियों को करारा जवाब देने पर पाकिस्तान के साथ संघर्ष हुआ जिसमें हमारी बहादुर सेना पाकिस्तान को बर्बाद कर रही थी लेकिन अचानक हुई सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा ने सबको चौंका दिया और आतंकवाद तथा आतंक को पनाह देने वाले पाकिस्तान को कुचलने का स्वर्णिम अवसर हमारे हाथ से निकल गया। हमारे पास पाकिस्तान के आतंकवाद को हमेशा के लिए नेस्तनाबूद करने का यह एक स्वर्णिम मौका था। उन्होंने कहा कि इसमें सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि श्री ट्रम्प ने सोशल मीडिया एक्स पर सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा की और बाद में कहा कि भारत और पाकिस्तान को व्यापार का हवाला देते हुए उन्होंने सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए तैयार किया। अब देश समझ नहीं पा रहा है कि इसे गोपनीय क्यों रखा गया जबकि हमारी सेना ने बहुत अच्छा काम कर आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया और पूरी दुनिया में इसकी तारीफ हुई। पहलगाम घटना से देश के हर परिवार में दुख था और ऐसे में सेना ने हमला कर घटना से जुड़े 100 आतंकवादियों को मार दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब सेना कार्रवाई को अंजाम दे रही थी तो अचानक श्री ट्रम्प बीच में आ गये और उन्होंने भारत तथा पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने संबंधी पोस्ट कर दिया, जिससे सबको चौंका दिया। अमेरिका ने पहले भी हिंदुस्तान पर दबाव बनाया था लेकिन हम कभी झुके नहीं और पाकिस्तान के टुकड़े कर दिए। शिमला समझौते के वक्त भी हमने किसी दूसरे देश को बीच में आने नहीं दिया। लेकिन अब जिस तरह से श्री ट्रंप बीच में आ रहे हैं, उस पर श्री मोदी और उनकी सरकार को जवाब देना चाहिए। सवाल है कि श्री ट्रंप के बयानों पर सरकार स्पष्टीकरण क्यों नहीं दे रही है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति की पोस्ट पर तीखा हमला करते हुए कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने कौन सी ठेकेदारी ले रखी है। ट्रंप या तो खुद ठेकेदार बन गए या हमारी चुप्पी ने उनके हौसले को बढ़ा दिया है, जिस कारण वो सीजफायर की घोषणा कर रहे हैं। अब ट्रंप कह रहे हैं कि कश्मीर मुद्दे को भी वे सुलझाएंगे, जबकि इससे पहले तक भारत की नीति सिर्फ द्विपक्षीय ही रही है। कश्मीर मसले को सुलझाने को लेकर ट्रंप जो बात कह रहे हैं, वह बहुत ही गंभीर है। इधर प्रधानमंत्री का संबोधन होने वाला था, उससे पहले ही ट्रंप ने ऐलान कर दिया कि हमने भारत-पाकिस्तान से कहा कि व्यापार करना है तो युद्धविराम करना होगा। इन तमाम बातों का जवाब प्रधानमंत्री मोदी को देना चाहिए। श्री गहलोत ने कहा कि अचानक सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा से हमारे हाथ आया स्वर्णिम अवसर चला गया। हमें पाकिस्तान की ऐसी स्थिति कर देनी चाहिए थी कि वो आतंकी घटना करने के काबिल न रहे लेकिन अचानक सीजफायर हो गया। श्री ट्रंप के ऐलान के बाद पूरा देश सकते में है कि आखिर हो क्या रहा है।

## शोपियां में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़, तीन आतंकवादी ढेर

एजेंसी
**शोपियां।** दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के शुकरू केलर इलाके में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया। सेना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विशेष सूचना के आधार पर केलर इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया था। इसी दौरान आतंकवादियों से मुठभेड़ हो गई।सेना के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए हैं, जबकि ऑपरेशन जारी है। दरअसल 13 मई को राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट की विशेष खुफिया यूनिट को शोपियां के शोकल केलर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पता चला था। इसके बाद भारतीय सेना ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया। ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की, जिसके मुठभेड़ शुरु हुई। परिणामस्वरूप तीन कट्टर आतंकवादियों को मार गिराया गया। अभी मारे गए आतंकवादियों की शिनाख्त नहीं हुई है। सेना द्वारा शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

## सीबीएसई 12वीं के नतीजे घोषित, लड़कियों ने मारी बाजी, 88.39 प्रतिशत विद्यार्थी पास

**नई दिल्ली।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मंगलवार को 12वीं कक्षा के नतीजे घोषित कर दिए। इस बार कुल 88.39 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। लड़कियों का परीक्षा परिणाम लड़कों से 5.94 प्रतिशत बेहतर रहा। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने बताया कि कक्षा 12वीं की परीक्षा के लिए कुल 17,04,367 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था और 16,92,794 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से 14,96,307 विद्यार्थी सफल हुए हैं। इस साल 88.39 प्रतिशत उम्मीदवार परीक्षा में सफल हुए हैं, जो पिछले साल के 87.98 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। इस साल लड़कियों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत लड़कों से 5.94 प्रतिशत ज?यादा रहा। विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम पिछले साल से 0.41 प्रतिशत अधिक है। इस बार की परीक्षा में 91.64 प्रतिशत लड़कियों ने और 85.70 प्रतिशत लड़कों ने सफलता हासिल की है। वहीं, 'ट्रांसजेंडर' उम्मीदवारों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 100 प्रतिशत रहा है, जो पिछले साल 50 प्रतिशत था। 1.1 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। परीक्षा में इस बार कुल 1,11,544 विद्यार्थियों ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं, जबकि 24,867 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

## बदरीनाथ धाम में 15 मई से शुरू होगा पुष्कर कुंभ मेला, दक्षिण भारत से पहुंचेंगे आचार्य

**देहरादून।** सरस्वती नदी के उद्गम स्थल भू-बैकुंठ बदरीनाथ धाम में 12 साल बाद 15 मई से पुष्कर कुंभ मेला आयोजित होने जा रहा है। इसके लिए दक्षिण भारत से आचार्यों का बड़ा दल बदरीनाथ धाम पहुंचेगा और यहां अनुष्ठान कर मां सरस्वती से ज्ञान प्राप्ति के लिए प्रार्थना करेगा। बदरीनाथ धाम से कुछ ही दूरी पर माणा गांव के पास सरस्वती नदी का प्रवाह क्षेत्र है जो करीब एक किलोमीटर है। दक्षिण भारतीय आचार्यों की परंपरा में यहां 12 वर्ष में एक बार पुष्कर कुंभ मेला का आयोजन होता है। बृहस्पति ग्रह 14 मई 2025 की रात 11 बजकर 20 मिनट पर मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे, इसके अगले दिन से यानी 15 मई से पुष्कर कुंभ मेला शुरू हो जाएगा। यह मेला 25 मई तक दक्षिण भारत के आचार्यों की मान्यता के अनुसार इस दिन पुष्कर कुंभ मेला का आयोजन कर मां सरस्वती से ज्ञान की प्रार्थना की जाती है। इन आचार्यों की मान्यता है कि दक्षिण के शंकराचार्य रामानुजाचार्य, माधवाचार्य और निंबा को इसी पवन स्थान पर ज्ञान प्राप्त हुआ था। यह परंपरा दक्षिण भारत आज भी निभा रहा है। मान्यता है कि सरस्वती नदी के इस तट पर वेद व्यास ने महाभारत की रचना की। इसको लिखते समय सरस्वती नदी की भारी गर्जना उनका ध्यान भंग करती थी। कहते हैं कि वेद व्यास की प्रार्थना पर सरस्वती यहां स्थापित हुई और केशव प्रयाग में विलुप्त हो गई।

# प्रधानमंत्री ने आदमपुर एयरफोर्स स्टेशन का किया दौरा

### जवानों को सफल ऑपरेशन की बधाई दी

एजेंसी
**आदमपुर।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुबह पंजाब के आदमपुर स्थित एयरफोर्स स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बहादुर वायु सैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने शौर्य, दृढ़ संकल्प और निडरता का प्रतीक बने इन जवानों को सफल ऑपरेशन के लिए बधाई दी।प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत हमेशा अपने सशस्त्र बलों का आभारी रहेगा। उन्होंने सैनिकों के साहस और बलिदान की सराहना की और कहा कि हमारे जवान हर परिस्थिति में देश की रक्षा करते हैं। उनका समर्पण अद्वितीय है। उल्लेखनीय है कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर अभियान के दौरान पाकिस्तान के वायु रक्षा कवच को भेदते हुए 10 मई की सुबह पड़ोसी देश के कई एयरफोर्स स्टेशनों को उड़ाया था। इससे घबराए पाकिस्तान को घुटने टेकने पड़े और संघर्ष विमान के लिए आगे आना पड़ा।

## गंगा में नहाने के दौरान एक ही परिवार के पांच लोग डूबे, तीन की मौत, दो को बचाया गया

एजेंसी
**पटना।** मुंगेर जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के कल्याणचक में मंगलवार को गंगा नदी में नहाने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। यहांगंगा में नहाने के दौरान एक ही परिवार के पांच लोग गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। स्थानिय नाविकों ने दो लोगों बचा लिया, लेकिन तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। दिल्ली में काम करने वाले संजय यादव अपनी पत्नी रेणु देवी, दो बेटी और दो बेटे 20 वर्षीय सालू कुमारी, 18 वर्षीय मांडवी कुमारी, 16 वर्षीय हर्ष कुमार और 12 वर्षीय अमन कुमार के साथ मुंगेर अपने घर मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के कल्याणचक 5 मई को एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए आए थे। शादी के संपन्न होने के बाद आज वे अपने घर में भाई फोटो यादव के परिवार के साथ मिल गोसाई पूजन की तैयारी कर रहे थे। उसी क्रम में दोनों भाई के परिवार वाले बरदह गंगा घाट पर गंगा स्नान के लिए पहुंचे थे। गंगा में स्नान के

दौरान रेणु देवी अपने चारों बेटे-बेटियों के साथ स्नान करते-करते आगे निकल गए और सभी अचानक डूबने लगे। गंगा के तट पर खड़े नाविकों ने देखा कि कुछ लोग डूब रहे हैं तो नाव पर सवार होकर तुरंत उनके करीब आए और रेणु देवी और उनकी बेटी मांडवी कुमारी को बाहर निकाल कर जान बचाई।

# रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

एजेंसी
**नई दिल्ली ।** आमने-सामने की लड़ाई में भारतीय सेना से बुरी तरह पिछड़ने के बाद पाकिस्तान ने सीमा पार से फायरिंग व गोला बारूद न दागने की बात कही है। पाकिस्तानी सेना के पीछे हटने के बाद मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीडीएस, थल सेना और नौसेना प्रमुख के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि नई दिल्ली में हुई बैठक के दौरान देश की पश्चिमी सीमा को लेकर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई। रक्षा मंत्री ने सीमा सुरक्षा को लेकर यह समीक्षा की। बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, नौसेना स्टाफ के प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह शामिल हुए। वहीं वायुसेना प्रमुख की अनुपस्थिति में वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी इस समीक्षा बैठक में उपस्थित रहे।

जानकारी के मुताबिक बैठक के दौरान रक्षा मंत्री को पाकिस्तान से लगती नियंत्रण रेखा व अंतरराष्ट्रीय सीमा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। माना जा रहा है कि रक्षा मंत्री को भारत व पाकिस्तान के डायरेक्टर

जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस के बीच हुई वार्ता की भी जानकारी दी गई। यह वार्ता सोमवार शाम पांच बजे हॉटलाइन पर हुई थी। इस बातचीत में पाकिस्तान ने कहा है कि वह सीमा पार से एक भी गोली नहीं चलाएगा। वार्ता में कहा गया है कि दोनों पक्षों को एक भी गोली नहीं चलानी चाहिए। एक-दूसरे के खिलाफ कोई आक्रामक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई शुरू नहीं करनी चाहिए। सेना के मुताबिक इस बात पर सहमति हुई कि दोनों पक्ष यानी भारत और पाकिस्तान सीमाओं और अग्रिम क्षेत्रों से सैनिकों की संख्या में कमी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपायों पर विचार करें। इसके अलावा भारत व पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच हुई अन्य बातचीत की भी पूरी जानकारी रक्षा मंत्री को दी गई है।

वहीं भारत आज यानी मंगलवार को नई दिल्ली में विभिन्न देशों के रक्षा अताशे (डीए) को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तकनीकी विवरण से अवगत कराएगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सेनाओं द्वारा आतंकवाद के विरोध में शुरू किया गया सैन्य अभियान है। अब भारतीय सशस्त्र बल विभिन्न देशों के रक्षा अताशे के साथ महत्वपूर्ण जानकारी और परिचालन डेटा साझा करेंगे। इस दौरान स्वदेशी वायु रक्षा प्रणालियों की परफॉर्मेंस और 7 से 10 मई के बीच किए गए स्ट्राइक मिशन के परिणाम शामिल हैं। सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस सत्र में कई घटनाक्रमों पर चर्चा होगी, जिसमें भारत के वायु रक्षा बलों द्वारा चीनी और तुर्की निर्मित ड्रोनों और पीएल-15 मिसाइलों को नष्ट करना शामिल है, जिससे भारतीय हवाई क्षेत्र में किसी भी तरह की घुसपैठ को रोका जा सका।

## पंजाब के अमृतसर में जहरीली शराब का कहर, 14 की मौत, छह गंभीर

एजेंसी
**चंडीगढ़।** पंजाब के अमृतसर में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। इसके अलावा करीब छह अन्य लोगो का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। जहरीली शराब का कहर अमृतसर के मजीठा क्षेत्र में बीती रात बरपा। लोगों की तबीयत बिगड़नी शुरू हुई। बताया जा रहा है कि ज्यादातर लोगों ने घर में तैयार की गई शराब का सेवन किया।

पंजाब सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे हैं।जिला उपयुक्त साक्षी साहनी, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, आबकारी विभाग की टीम प्रभावित गांवों भंगाली कलां, मरडी कलां और जयंतीपुर का दौरा कर रही है। पुलिस ने अब तक छह लोगों को हिरासत में लिया है। यह जहरीली शराब कहां से आई और यह कहां तैयार की गई, इसके बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिली है। बताया गया है कि इन गांवों में कुछ लोगों ने शराब पी और सोमवार शाम उनकी तबीयत बिगड़नी शुरू हो गई। कई युवाओं ने उल्टियां की, जिसमें से कुछ को खून आने के बाद परिजनों ने अस्पताल

पहुंचाया। सुबह सूचना मिलते ही जिला उपयुक्त साक्षी साहनी अमले के साथ प्रभावित गांवों में पहुंची। उन्होंने बताया कि जिन व्यक्तियों में मामूली लक्षण भी दिख रहे हैं, उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों को इन गांवों में भेज दिया गया है। टीमें लोगों की जांच कर रही हैं। पुलिस ने नकली शराब रैकेट के मास्टरमाइंड प्रभजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।अमृतसर के एसएसपी मनिंदर सिंह ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की कई टीमों को जांच के लिए लगाया गया है। अभी तक प्रभजीत सिंह के अलावा उसके भाई कुलबीर उर्फ जग्गू, साहिब सिंह, गुरजंट सिंह और एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

## भारतीय सेना की मजबूत स्थिति के बावजूद केंद्र सरकार ने क्यों किया सीजफायर : मनीष सिसोदिया

एजेंसी
**चंडीगढ़ ।** आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब भारत मजबूत स्थिति में था, तो फिर पीएम मोदी सीजफायर के लिए कैसे मान गए? 'आप' नेता मनीष सिसोदिया ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा, 'पहलगाम आतंकी हमले की जड़ जिस तरीके से पाकिस्तान से निकलकर आ रही थी, उससे पूरा देश गुस्से में था। भारतीय सेना ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलतापूर्वक चलाकर आतंकवादियों के अड्डे समाप्त किए, उससे पूरा देश एक सुकून महसूस कर रहा था। उसके बाद भारतीय सेना पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे रही थी। पाकिस्तान के हथियारों को हवा में नष्ट कर रही थी। भारतीय सेना मजबूत स्थिति में थी। पूरा विपक्ष, सरकार के साथ खड़ा था। फिर अचानक सीजफायर की घोषणा हुई, उस समय देश के मन में कई सवाल उठे। उस समय से अब तक देश में कई सारे सवाल उमड़ रहे हैं। सोमवार शाम पीएम मोदी ने जब देश के नाम

संबोधन दिया, तो पूरे देश को उम्मीद थी कि अचानक हुए सीजफायर पर प्रधानमंत्री कुछ बोलेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।' सिसोदिया ने कहा, 'पाकिस्तान एक आतंकी देश है और उसे जवाब देना जरूरी था। ऐसे में जब भारतीय सेना उसे जवाब दे रही थी, तो उस समय पूरा देश साथ खड़ा था और दुआएं कर रहा था। केंद्र सरकार ने बताया कि उनकी आक्रामक कार्रवाई के बाद पाकिस्तान बचने के रास्ते खोजने लगा था, इसके बाद परिणामस्वरूप गुहार लगा रहा था, तब हमने विचार किया। तो, मेरा सवाल है कि आतंकवादी देश के सामने भारत सरकार ने कैसे विचार किया?'

'आप' नेता ने कहा, 'जब हमारी सेना को बढ़त थी। पाकिस्तान को झुकना और पीछे हटना चाहिए था। पहलगाम के आतंकियों को हमें सौंपना चाहिए था। लेकिन, भारत सरकार ने कहा कि पाकिस्तान ने आकर हाथ जोड़े तो हमने सीजफायर कर लिया। भारत सरकार इस पर क्यों मान गई।

## आरएसएस कार्यालय पर हमले के मामले में दो गिरफ्तार

एजेंसी
**इंफाल।** मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले में नवंबर 2024 में आरएसएस कार्यालय, हरोरौ (सोगोलमंग थाना क्षेत्र) पर हुए भीड़ हमले से जुड़े मामले में सुरक्षा बलों ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी युमनाम खुनाओ अवांग लाइकाई इलाके (सोगोलमंग थाना क्षेत्र) से की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान हाओबिजम खुमारजीत (45), निवासी युमनाम खुनाओ अवांग लाइकाई, इंफाल ईस्ट जिला तथा हाओबिजम मांगंगचा सिंह उर्फ नाओबी (41), निवासी युमनाम खुनाओ अवांग लाइकाई, इंफाल ईस्ट जिला के रूप में हुई है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपित उस हिंसक भीड़ का हिस्सा थे, जिसने आरएसएस कार्यालय पर हमला किया था।

## केंद्रीय मंत्री शिवराज को खूब भाए छत्तीसगढ़ जिले के जशपुर के 'जशप्योर' उत्पाद

एजेंसी
**रायपुर।** केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के उत्पाद 'जशप्योर' खूब भाए। केंद्रीय मंत्री 'जशप्योर' ब्रांड द्वारा लघु वनोपजों से तैयार किए गए शुद्ध, स्वास्थ्यवर्धक और उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य उत्पादों से सुसज्जित टोकरी भेंट की गई और उन्हें प्रदेश के जशपुर की संस्कृति के बारे में बताया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ट्वीट कर बताया, 'जशप्योर' ब्रांड द्वारा लघु वनोपजों से तैयार किए गए शुद्ध, स्वास्थ्यवर्धक एवं उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य उत्पादों से सुसज्जित टोकरी केंद्रीय मंत्री को भेंट कर उन्हें जशपुर जिले की संस्कृति से परिचित कराया। जिसकी शिवराज सिंह ने सराहना की। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार की गई छींद

कांसा की टोकरी में डेकी, कुटा, जवां फूल चावल, ग्रीन टी गिफ्ट पैकेट, टाऊ पास्ता, टाऊ महुआ कुकीज, महुआ गोंद लड्डू, रागी, मखाना लड्डू, महुआ से निर्मित च्यवनप्राश, सीरप, शहद ,चाय जैसे उत्पाद हैं। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय मंत्री ने जिज्ञासापूर्ण भाव से इन उत्पादों की जानकारी ली और आदिवासी महिलाओं द्वारा निर्मित इन उत्पादों की भूरी-भूरी प्रशंसा भी की। यह उत्पाद केवल स्वाद ही नहीं, बल्कि समर्पण, स्वावलंबन और आदिवासी बहनों के परिश्रम, कौशल और आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को चरितार्थ करते हुए, हमारी सरकार स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर, आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

## विदेश मंत्री जयशंकर ने की ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष से बात, कहा- आतंक के खिलाफ हो 'जीरो टॉलरेंस'

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपनी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग से बातचीत की। उन्होंने हालिया घटनाक्रम के साथ आतंक के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के महत्व को रेखांकित किया। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने पेनी वोंग को दोबारा विदेश मंत्री बनने पर शुभकामनाएं दी और पाकिस्तान के साथ संघर्ष से जुड़े हालिया घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने इस बात के महत्व को रेखांकित किया कि आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति होनी चाहिए। विदेश मंत्री ने इस दौरान भारत ऑस्ट्रेलिया 'दोस्ती' का उल्लेख किया और इस बहुआयामी संबंध को और अधिक प्रगाढ़ करने की अपनी रुचि जाहिर की।

## बिहार की नाबालिग लड़की को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर तस्कर के कब्जे से कराया मुक्त

नई दिल्ली। मध्य जिली की स्पेशल स्टाफ ने रेड लाइट एरिया में बेचे जाने से पहले 15 साल की एक नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने नाबालिग का दो लाख रुपये में सौदा कर रहे युवक को भी दबोच लिया। पकड़े गए आरोपित की पहचान बिहार निवासी शशि कुमार (23) के रूप में हुई है।

मध्य जिले के डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने बताया कि आठ मई को जिले की स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली थी कि बिहार से मानव तस्करी कर एक नाबालिग को दिल्ली लाया जा रहा है। आरोपित दो लाख रुपये में उसका सौदा करने की तैयारी कर रहा है। सूचना मिलते ही तुरंत एक टीम का गठन किया गया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास जाल बिछाकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बाहर से आरोपित को दबोच लिया। उस समय उसके साथ नाबालिग भी मौजूद थी। आरोपित ने बताया कि वह बिहार के दरभंगा से ट्रेन में सवार हो रहा था तो उसे ट्रेन में नाबालिग मिली थी।

## बवाना में युवक की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिले के बवाना थाना इलाके में युवक पर कुछ बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। इधर घायल को राहगीरों ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि मुस्तफा को चाकू से घायल होने के कारण महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उसे रोहिणी स्थित अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मुस्तफा अपने साथी नूर आलम के साथ बवाना में काम खत्म करने के बाद पैदल घर लौट रहा था। जब वे बवाना सेक्टर-3 के पास पहुंचे तो सामने से आ रहे पांच अज्ञात बदमाशों ने मुस्तफा पर हमला कर दिया। स्थानीय निवासियों की मदद से नूर आलम ने मुस्तफा को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा लिया है। साथ ही हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं मृतक के परिजन और आस पास के लोगों ने बताया कि क्षेत्र में अक्सर आसामाजिक तत्वों द्वारा आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है। पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार करने के लिए पांच विशेष टीमें बनाईं। जिन्होंने पांच लोगों को पकड़ लिया है। फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है।

## हत्या के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों में पति-पत्नी और उनका नाबालिग बेटा शामिल है। यह कार्रवाई 9 मई को की गई। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपितों को दक्षिणी दिल्ली के साकेत इलाके से गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि पकड़े गए आरोपितों की पहचान 54 वर्षीय फैसल हुसैन, उसकी पत्नी रुकसाना खातून (46) और उनका नाबालिग बेटा शामिल है। डीसीपी के अनुसार घटना 29 अप्रैल 2025 का है। जब उत्तम नगर के सेवक पार्क इलाके में दो पड़ोसियों फैसल हुसैन और मौलाना हसन के बीच विवाद हुआ। यह झगड़ा वीडियो गेम पार्लर को लेकर हुआ, जिसे फैसल हुसैन चला रहा था। शोर-शराबे से परेशान होकर जब मौलाना हसन ने आपत्ति जताई, तो मामला मारपीट तक पहुंच गया। फैसल ने अपनी पत्नी और दोनों बेटों को बुलाकर हसन और उसके बेटों पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला किया। इस हमले में हसन का बेटा ओसामा गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जिसके बाद मामले में हत्या की धारा जोड़ी गई।

# भाजपा देश भर में निकालेगी तिरंगा यात्रा, ऑपरेशन सिंदूर की बताएगी उपलब्धियां

एजेंसी
नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश भर में तिरंगा यात्रा निकालेगी। इस यात्रा का उद्देश्य भारतीय सेना का आभार जताने के साथ साथ ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना है।

तिरंगा यात्रा 13 मई से 23 मई तक आयोजित की जाएगी। भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ, सांसद संबित पात्रा जैसे वरिष्ठ नेता इस अभियान का समन्वय करेंगे, जबकि पार्टी के शीर्ष नेता और मंत्री देश भर में रैलियों का नेतृत्व करेंगे। भाजपा के नेताओं के मुताबिक तिरंगा यात्रा के जरिए पार्टी देशभक्ति का संदेश देगी। तिरंगा यात्रा एक देशभक्ति पूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य देश भर में हमारे सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ाना है। अभियान के तहत संदेश दिया जाएगा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। 13 और 14 मई को यह यात्रा राज्यों की राजधानी में आयोजित की जाएगी। 15 मई को लोकप्रिय स्थानों पर तिरंगा यात्रा आयोजित की जाएगी। 16-17 मई को जिलों में, 19 से 23 मई तक सभी मंडल और विधानसभाओं में यात्राएं आयोजित की जाएंगी। सूत्रों के मुताबिक इस संबंध में पार्टी के मुख्यालय पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के महासचिवों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में तिरंगा यात्रा की रूप रेखा तैयार की गई। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव बढ़ता गया। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया और खूंखार दहशतगर्दों को ढेर कर दिया। बौखलाई पाकिस्तानी सेना ने भारत पर हमले की तमाम कोशिशें कीं, लेकिन नाकाम रहे। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि अब किसी भी हाल में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पाकिस्तान को उसी की भाषा में मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा। यह नया दौर है और अब यही आम बात है। नेस्तनाबूद करके पहलगाम आतंकी हमले का जवाब दिया है। भारतीय वायु सेना ने आतंकी शिविरों पर हमला करने में भूमिका निभाई और भारतीय नौसेना ने सटीक हथियारों के मामले में साधन उपलब्ध कराए।

## देशभर के 700 से ज्यादा जिलों में चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जाएगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि यह अभियान 700 से ज्यादा जिलों में 29 मई से प्रारंभ होकर 12 जून तक चलेगा।

इस दौरान हमारे कृषि वैज्ञानिक एवं मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय कृषिकर्मियों के साथ टीम बनाकर प्रतिदिन अलग-अलग गांवों में पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद करेंगे तथा उन्हें खेती-किसानी के संबंध में अपने स्तर पर और जागरूक करेंगे, विभिन्न सलाह देंगे। यह सारी कवायद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए 'लैब टू लैंड' के मंत्र को साकार करने के लिए की जा रही है। आधुनिक एवं आदर्श खेती के साथ ही यह एक देश, एक कृषि, एक टीम की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस संबंध में एक उच्चस्तरीय बैठक भी दिल्ली में आयोजित की, जिसमें देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के साथ ही देशभर में फैले आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों तथा कृषि विज्ञान से जुड़े अन्य संस्थानों के साथ ही केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी हाईब्रिड मोड में शामिल हुए। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी तथा आईसीएआर के महानिदेशक डा. एम.एल. जाट भी उपस्थित थे। शिवराज सिंह ने मीडिया को बताया कि इस रचनात्मक एवं महत्वाकांक्षी अभियान के पीछे मकसद यही है कि हमारी खेती उन्नत-विकसित हो और हमारे किसानों को इसका सीधा फायदा मिले।

## पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन पर भाजपा नेताओं ने कहा, 'देशवासियों में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ'

एजेंसी
नई दिल्ली।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात आठ बजे राष्ट्र के नाम संबोधन में पाकिस्तान और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को कड़े शब्दों में संदेश दिया कि भारत आतंकवाद को नहीं सहेगा और पाकिस्तान से सिर्फ पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) तथा आतंकवाद पर चर्चा होगी। भाजपा नेताओं ने इसकी तारीफ करते हुए कहा कि इससे देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार होगा। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, 'पीएम मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पाकिस्तानी आतंकवाद के चिथड़े उड़ा दिए। उन्होंने पूरे घटनाक्रम का ब्योरा दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' रुका नहीं है, बल्कि सिर्फ स्थगित हुआ है। भारतीय सेनाओं को अभिनंदन है, जिन्होंने पाकिस्तान के चिथड़े उड़ा दिए। अब स्पष्ट हो गया है कि कोई आतंकी गतिविधि हुई, तो भारत ऐसे किसी भी आतंक का सफाया करने में पीछे नहीं हटेगा। पीएम मोदी ने पूरे विश्व को बता दिया है कि भारत क्या कर

सकता है। उनके संबोधन ने देशवासियों में एक नई ऊर्जा का संचार किया है। ' भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, 'पीएम मोदी ने साफ किया है कि अगर पाकिस्तान से बात होगी, तो वह आतंकवाद और पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) पर होगी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने घुटने टेके और उसने ही संघर्ष विराम का प्रस्ताव दिया। पाकिस्तान को सबक सिखा दिया गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी बंद नहीं हुआ है, अगर पाक ने कोई गलत हरकत की, तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। पीएम मोदी ने देश की जनता के सामने सभी स्थितियों को रखा और सेना को सैल्यूट किया।' भाजपा विधायक अजय महावर ने पीएम मोदी के संबोधन की तारीफ की। उन्होंने कहा, ÷टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं चलेगा। कुछ लोग अप्रत्यक्ष रूप से आलोचना करने की कोशिश करते रहते हैं, लेकिन पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मान रही है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान को उसके घुटनों पर लाने के लिए मजबूर कर दिया। हमें एकजुट होकर पीएम मोदी और भारतीय सेना का साथ देना चाहिए।'

## कांग्रेस पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा का शिकार हो जाती है : शाहनवाज हुसैन

एजेंसी
नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं दिग्गज कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराने पर अमेरिका की भूमिका पर सवाल उठाया और इसे अपमानजनक बताया। इस पर भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा का शिकार हो जाती है। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, क्या उन्हें अपनी सेना पर भरोसा नहीं है। 22 अप्रैल की पहलगाम घटना के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कड़ा जवाब देने की बात कही थी और वैसा जवाब दिया गया। हमने उनके नौ आतंकी अड्डों और 11 एयरपोर्ट को तबाह कर दिया। 100 से अधिक आतंकी मारे गए। हमने पाकिस्तान के 50 से अधिक सैनिक और ऑफिसर को मार गिराए। पाकिस्तान ने अपने घुटने टेक दिए, जब उन्होंने गिड़गिड़ाया तो सीजफायर हुआ। हमारा जो मकसद था कि आतंकी को मिट्टी में मिलाना है, वो पूरा हुआ। पाकिस्तान को उसकी भाषा में जवाब दिया गया। इस सब मामलों जाती है। पूरा देश आज भारतीय सेना के साथ है। भारतीय सेना ने जो ऑपरेशन सिंदूर किया, उससे पाकिस्तान को करारा जवाब मिला, यह याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस की दोहरी जुबान बोलने की आदत है।

पर सेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जानकारी दी। ऐसे में क्या कांग्रेस के नेताओं को भारत की सेना पर कम और पाकिस्तान पर ज्यादा भरोसा है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान जो प्रोपेगेंडा करता है, कांग्रेस उसका शिकार क्यों हो वो एक तरफ कहते हैं कि देश की सेना के साथ हैं। सेना ने अपना पराक्रम दिखाया और आतंकियों के ठिकानों को खत्म किया। कांग्रेस क्या चाहती है। जब देश में बड़े-बड़े हमले होते थे, तो वो खामोश रहती थी।

# एयर इंडिया, इंडिगो की कई उड़ानें रद्द, यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी

एजेंसी
नई दिल्ली ।भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा स्थिति के चलते जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान के कई हिस्सों से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। साथ ही यात्रियों के लिए यात्रा संबंधी एडवाइजरी भी जारी की गई है। एयर इंडिया ने जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट से आने-जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। यह निर्णय हाल के घटनाक्रमों और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, 'नवीनतम घटनाक्रम को देखते हुए और आपकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट से आने-जाने वाली उड़ानें मंगलवार, 13 मई को रद्द कर दी गई हैं। हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और आपको अपडेट रखेंगे। अधिक जानकारी के लिए, कृपया

हमारे संपर्क केंद्र पर 011-69329333 / 011-69329999 पर कॉल करें या हमारी वेबसाइट पर जाएं। इंडिगो ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की और 13 मई को कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। इनमें जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़ जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गईं। इसी तरह श्रीनगर, लेह, राजकोट जाने वाली भी उड़ानें रद्द हैं। इंडिगो ने असुविधा के लिए खेद जताया है और कहा है कि हमारी टीम लगातार हालातों पर नजर बनाए रख रही है और हम आपको आगे की अपडेट के लिए सूचित करते रहेंगे। एयरपोर्ट आने से पहले कृपया ऐप या व्हाट्सएप पर अपनी उड़ान की जानकारी जरूर लें। वहीं दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार, दिल्ली हवाई अड्डे पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है। हालांकि, हवाई क्षेत्र की बदलती स्थिति और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था के कारण, कुछ उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव हो सकता है और सुरक्षा जांच में अधिक समय लग सकता है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी-अपनी एयरलाइन से ताजा जानकारी लेते रहें। हैंडबैग और चेक-इन सामान के नियमों का पालन करें।

सुरक्षा चेकपॉइंट्स पर संभावित देरी को ध्यान में रखते हुए जल्दी पहुंचें। सुविधाजनक प्रक्रिया के लिए एयरलाइन और सुरक्षा कर्मचारियों का सहयोग करें। अपनी एयरलाइन या दिल्ली एयरपोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से उड़ान की स्थिति की जांच करें। यात्री सटीक जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें।

## एक ही परिवार के चार लोगों ने खाया ज़हरीला पदार्थ, दो बच्चों की मौत

एजेंसी
नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के भारत नगर थाना क्षेत्र स्थित डीएसआईडीसी संगम पार्क इलाके में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक ही परिवार के चार सदस्यों ने कथित रूप से ज़हरीला पदार्थ खा लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार यह घटना शेड नंबर 63 में हुई। जहां 42 वर्षीय हरदीप सिंह अपनी पत्नी हरप्रीत कौर (38), बेटे जगदीश सिंह (16) और बेटी हरगुल कौर (15) के साथ रहते हैं। सोमवार शाम इलारत दो बच्चों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। दंपति की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि सोमवार सुबह करीब 8 बजे वे सभी एक साथ शेड पहुंचे थे। उसी दौरान उन्होंने कथित रूप से ज़हरीला पदार्थ खाया। प्रारंभिक जांच के मुताबिक ज़हरीला पदार्थ गैस या अन्य किसी माध्यम से इनहेल किया गया हो सकता है। घटना के बाद परिजनों में से किसी एक बच्चे ने किसी रिश्तेदार को फोन कर सूचित किया, जिसके बाद तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम (पीसीआर) कॉल की गई। सूचना मिलते ही भारत नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। हरदीप सिंह, उनका बेटा जगदीश और बेटी हरगुल को हिंदू राव अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि उनकी पत्नी हरप्रीत कौर को दीप चंद बंधु अस्पताल ले जाया गया। हरदीप सिंह बाइक हॉर्न बनाने की फैक्टरी चलाते हैं।

## पीएम मोदी के संबोधन पर कांग्रेस नेताओं की मांग, केंद्र सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाए

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आतंक के खिलाफ भारतीय सैन्य कार्रवाई की तारीफ की। अब इस पर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। उन्होंने केंद्र सरकार से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग दोहराई। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा, पीएम मोदी के वक्तव्य को हमने सुना। उसके कुछ देर पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वक्तव्य भी सामने आया, जिसने हर भारतीय को परेशान किया। सिंदूर के साथ सौदा और ट्रेड नहीं हो सकता। ट्रंप ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ट्रेड रोकने की धमकी के कारण हुआ, जो हमें बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। हमें उम्मीद थी कि पीएम मोदी इस पर प्रतिक्रिया देंगे। हम 22 अप्रैल की शाम से मांग कर रहे हैं कि पीएम मोदी सामूहिक संकल्प का नेतृत्व करें और सर्वदलीय बैठक में शामिल हों, लेकिन वे नहीं आए। हम अपनी मांग दोहराते हैं कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। झारखंड कांग्रेस के नेता राकेश सिन्हा ने कहा, देश की 140 करोड़ जनता चाहती थी, पीएम मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन दें, लेकिन यह सुनने के बाद हमें लगा कि खोदा पहाड़ और निकली चुहिया। पीएम मोदी ने एक शब्द नहीं कहा कि क्या भारत दूसरे देश की मध्यस्थता को

स्वीकार कर लिया? हमें लगता है पीएम मोदी ने बहुत कुछ राष्ट्र से छिपा लिया। उन्हें उस पर खुलकर बोलना चाहिए था। समझौते के तीन घंटे के अंदर पाकिस्तान ने गोलीबारी कर दी और हमारे जवान की शहादत ले ली। पीएम मोदी ने उस पर भी कुछ नहीं बोला। उल्लेखनीय है कि सोमवार रात आठ बजे पीएम मोदी ने देश के नाम संबोधन में आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा। उन्होंने साफ किया कि पाकिस्तान से बात सिर्फ पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) और आतंक पर होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह भी बताना चाहूंगा कि हमारी घोषित नीति स्पष्ट रही है। अगर पाकिस्तान से बातचीत होगी तो वह सिर्फ आतंकवाद के बारे में होगी, अगर पाकिस्तान से बातचीत होगी तो वह सिर्फ पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के बारे में होगी।

## कांग्रेस कभी भी भारत की सफलता से खुश नहीं होती : राजीव चंद्रशेखर

एजेंसी
नई दिल्ली । भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि कांग्रेस प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की प्रगति से खुश नहीं है। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विशेष संसद सत्र के आह्वान की आलोचना की। विशेष सत्र की मांग के पीछे विपक्ष के नेता की मंशा पर सवाल उठाए और नियमित कार्यवाही के दौरान कांग्रेस नेता की बार-बार अनुपस्थिति की ओर इशारा किया। बता दें कि विपक्ष के नेता गांधी ने 10 मई को प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिखकर पहलगाम आतंकवादी हमले, 'ऑपरेशन सिंदूर' और उसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान के साथ हुए युद्धविराम समझौते पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया। समाचार एजेंसीसे बातचीत के दौरान चंद्रशेखर ने कहा, मुझे नहीं पता कि वह विशेष सत्र क्यों चाहते हैं, क्योंकि जब नियमित सत्र होते हैं तो वह नहीं आते हैं। नियमित बहस और कार्यवाही के दौरान, वह और उनकी बहन अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। अचानक विशेष सत्र की मांग क्यों हो रही है? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति नहीं देख सकती। चंद्रशेखर ने कहा, 'अगर भारत सफल होता है, तो कांग्रेस नाखुश है। अगर भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ती है, अगर भारतीय महिलाएं सशक्त होती हैं, अगर वैश्विक समुदाय भारत का सम्मान करता है, तो भी कांग्रेस नाखुश है। उन्होंने कहा, 'वे विदेश जाते हैं और दावा करते हैं कि लोकतंत्र खतरे में है।' उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में कांग्रेस पार्टी पर अवसरवादी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'अगर कांग्रेस पार्टी इस बात पर बहस चाहती है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसने क्या किया, तो भाजपा इस चर्चा से खुश है। आइए 26/11 के बारे में बात करें, पुलवामा और बालाकोट हवाई हमले के बाद उनके बयानों के बारे में बात करें। यूपीए शासन के दस वर्षों के दौरान सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की कमी के बारे में बात करें।

## भारत के लोग जैसा चाहते थे, सेना ने वैसा ही किया : गुलाम अली खताना

एजेंसी
नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में स्थित नौ आतंकवादी ठिकानों पर हमले कर उन्हें ध्वस्त कर दिया। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए भयंकर संघर्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित किया। भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद गुलाम अली खताना ने उनके संबोधन की तारीफ की है। गुलाम अली खताना ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा, पहलगाम में जो घटना हुई थी उसके बाद जैसा देश चाहता था, एयरफोर्स, आर्मी और नेवी ने वैसा ही किया। पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया और खुंखार आतंकवादियों को मारा। इसमें कई बड़े आतंकवादियों के नाम भी शामिल थे। भाजपा नेता ने कहा, खून और पानी साथ नहीं चल सकते। गोली का जवाब गोला से देंगे। अभी ऑपरेशन सिंदूर सस्पेंड हुआ है। लेकिन जैसा कि पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से की गई किसी भी आतंकी कार्रवाई को हम युद्ध की तरह से लेंगे।

गुलाम अली खताना ने कहा, पाकिस्तान के साथ हमारा पाकिस्तान को हुई क्षति का जिक्र किया। साथ ही कहा कि पाकिस्तान से अब कोई भी बातचीत होगी तो सिर्फ आतंकवाद और पीओके के मुद्दे पर ही होगी। नरेंद्र मोदी ने संघर्ष के दौरान भारतीय सेना की बहादुरी

पीओजेके (पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर) का ही मसला है, यह सभी जानते हैं। हमने अपना मकसद पूरा किया है और हमें अपनी सेनाओं की प्रशंसा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रात आठ बजे देश को पहलगाम की घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष पर संबोधित किया। पीएम ने अपने संबोधन में की तारीफ की। पीएम ने अपने भाषण में कहा, अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम अपनी शर्तों पर पाकिस्तान में घुसकर कार्रवाई करेंगे। भारत न्यूक्लियर ब्लैकमेल नहीं सहेगा और आतंकी ठिकानों पर प्रहार करेगा और हम आतंक सरपरस्त सरकार और आतंकियों को अलग-अलग नहीं देखेंगे।

# फॉर्च्यूनर गाड़ी पर गृह मंत्रालय की फर्जी प्लेट लगाकर घूम रहे चार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। कनाट प्लेस थाना पुलिस ने फॉर्च्यूनर गाड़ी में गृह मंत्रालय की प्लेट लगाकर घूम रहे चार लड़कों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए एक आरोपित ने खुद को आईबी का अधिकारी बताया। जांच के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चारों लड़कों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के पास से आईबी का फर्जी आई कार्ड बरामद किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान उत्कर्ष शुक्ला (21), अखिलेश पांडे (21), अनिकेत पांडे (27) और राजकुमार (28) के रूप में हुई है। जांच में गाड़ी के अंदर से हूटर-सायरन बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपित उत्कर्ष ने बताया कि टशनबाजी के लिए उसने यह सब किया। पकड़े गए सभी आरोपित लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले हैं। वहीं मुख्य आरोपी उत्कर्ष की तलाशी लेने पर उसकी जेब से स्टेशन मास्टर का भी आई कार्ड बरामद हुआ। जिसमें उत्कर्ष की फोटो लगी हुई थी। वह लोगों पर रौब जमाने के लिए बाउंसर के रूप में अपने दोस्तों को साथ रखता था। फिलहाल पुलिस चारों आरोपितों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार 10 मई की रात हेडकांस्टेबल बलराम आउटर सर्किल के पास पिकेट लगाकर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। देर रात करीब 11.30 बजे उन्होंने एक सफेद रंग की फॉर्च्यूनर गाडी को चेकिंग के लिए रोका। पुलिस सूत्रों के अनुसार गाड़ी के आगे वाले शीशे पर गृह मंत्रालय की प्लेट रखी हुई थी। शक के आधार पर हेडकांस्टेबल ने गाड़ी में सवार युवकों से पूछताछ की तो एक ने खुद का परिचय आईबी अधिकारी के रूप में दिया।

उसने कार्ड भी दिखाया। गाड़ी में ड्राइवर सहित चार और लोग थे। अन्य लोगों को आरोपित ने बाउंसर बताया। पुलिस ने ड्राइवर मोहम्मद आदिल से सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह इन चार लड़कों को नहीं जानता। इन लोगों ने लखनऊ से गाड़ी किराए पर ली थी। रास्ते में फर्जी प्लेट भी इन लोगों ने खरीदी थी। ड्राइवर से पूछताछ के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर चारों आरोपितों को गिरफ्तार किया।

## संपादक की कलम से

# कश्मीर : अमेरिकी दबाव के सामने मोदी खामोश

कश्मीर पर पाकिस्तान का मान जाना कोई खास बात नहीं है। लेकिन भारत अगर मध्यस्थता स्वीकार कर लेता है तो यह बहुत बड़ी बात होगी। अभी तक कि स्वतंत्र विदेश नीति के बिल्कुल उलट। भारतीय हितों के विपरीत। भारत की संसद के दोनो सदनों ने 22 फरवरी 1994 को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया था कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है।

क्या प्रधानमंत्री मोदी युद्धविराम की तरह कश्मीर पर भी किसी समझौते को मान जाएंगे? बहुत बड़ा सवाल!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा ट्वीट बहुत खतरनाक है। इसमें वे स्पष्ट रूप से कश्मीर के मामले में मध्यस्थता की बात कर रहे हैं। भारत हमेशा कहता रहा है कि यह द्विपक्षीय मसला है और भारत किसी तीसरे को इसमें शामिल नहीं करेगा। शिमला समझौता में यह सबसे अहम बात है। उसके बाद कई बार पाकिस्तान ने कभी संयुक्त राष्ट्र, कभी अमेरिका, कभी चीन के जरिए मध्यस्थता करवाने की कोशिश की मगर भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया।

इन्दिरा गांधी जिन्हें अभी अमेरिका द्वारा घोषित युद्धविराम के बाद देश में सबसे ज्यादा याद किया जा रहा है उन्होंने 1971 का युद्ध जीतने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भुट्टो को शिमला बुलाकर यह समझौता किया था। और उसमें लिखवाया था कि कश्मीर का मुद्दा दोनों देश मिलकर सुलझाएंगे। तीसरे किसी का दखल नहीं होगा।

लेकिन पहले युद्धविराम की अप्रत्याशित घोषणा और अब उसके बाद कश्मीर समस्या सुलझाने का दावा बता रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप का दबाव काम कर गया है। पाकिस्तान का उसमें आना कोई खास बात नहीं। उसके पास क्या है? 75 साल में उसने क्या हासिल किया? आज चीन उसके साथ था और वह भी उसके नहीं भारत से दुश्मनी की वजह से और अमेरिका उसे टूटने नहीं देना चाहता था इसलिए उसने युद्ध विराम करवाकर उसे बचा लिया, नहीं तो पाकिस्तान कितने दिन और भारत से लड़ पाता?

वहां के शासक इसे समझते हैं। लेकिन अपने देश की जनता को उलझाए रखने के लिए युद्ध विराम के बाद भी गोलाबारी, ड्रोन अटैक करते रहे। केवल यह बताने के लिए कि हम लड़ सकते हैं। और ठीक यही बात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने देश को संबोधित करते हुए कही। झूठी शान बताते हुए कि-हमारे सेना ने यह कर दिया वह कर दिया वे केवल जंग का महिमामंडन करते रहे।

जैसे युद्ध जिन्दगी के लिए सबसे जरूरी चीज है। इसी तरह की जज्बाती बातों ने पाकिस्तान की अवाम को 75 साल से उलझाए रखा है। और वे ऐसे ही रहें इसमें पाकिस्तान के नेताओं का दोष तो है ही चीन और अमेरिका भी यही चाहता है।

पाकिस्तान की जनता को देखना होगा कि चीन और अमेरिका जो उसके दोस्त हैं कितनी तरक्की कर चुके हैं और उनका मुल्क वहीं का वहीं है। भारत के साथ आजाद हुआ था। भारत हर क्षेत्र में कहीं से कहीं निकल गया लेकिन पाकिस्तान अभी भी कर्जा लेकर अपने खर्चे चलाने पर मजबूर है। अभी आईएमएफ से 12 हजार करोड़ रुपए अमेरिका ने दिलवाए।

इसलिए कश्मीर पर पाकिस्तान का मान जाना कोई खास बात नहीं है। लेकिन भारत अगर मध्यस्थता स्वीकार कर लेता है तो यह बहुत बड़ी बात होगी। अभी तक कि स्वतंत्र विदेश नीति के बिल्कुल उलट। भारतीय हितों के विपरीत। भारत की संसद के दोनो सदनों ने 22 फरवरी 1994 को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया था कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। और जिस हिस्से पर पाकिस्तान ने कब्जा कर रखा है वह भी। याद रहे यह प्रस्ताव उस समय की कांग्रेस सरकार ने उस समय पास करवाया था जब जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा चलाए जा रहे आतंकवाद का सबसे भीषण समय था। पाकिस्तान एक तरफ कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां चला रहा था दूसरी तरफ दुनिया में यह झूठा प्रचार कर रहा था कि भारत दिल्ली में बैठकर कश्मीरियों पर शासन कर रहा है।

जबकि हकीकत यह थी कि पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के कारण वहां चुनाव नहीं हो पा रहे थे। मगर भारत वहां राजनीतिक प्रक्रिया चला कर चुनाव का माहौल तैयार कर रहा था। ऐसे समय में अन्तरराष्ट्रीय जगत को सही स्थिति बताने के लिए केन्द्र सरकार ने अपना एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र भेजा। और जानते हैं उसका नेता किस को बनाया। विपक्ष के नेता को। क्यों? ताकि यह संदेश जाए कि पूरा भारत कश्मीर के मामले में एक है। अटल बिहारी वाजपेयी को दल का अध्यक्ष बनाया और जम्मू कश्मीर के नेता फारुक अब्दुल्ला को उस दल में शामिल किया। आज कांग्रेस बिना शर्त सरकार को पूरा समर्थन दे रही थी।

पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से ही। मगर जब बिल्कुल युद्ध जैसा माहौल हो गया तो सत्तारुढ़ पार्टी बीजेपी वीडियो जारी करके यह बताने लगी कि कांग्रेस के प्रधानमंत्री कितने कमजोर थे। अब कमजोर थे ताकतवर थे पता नहीं मगर कश्मीर पर किसी की मध्यस्थता स्वीकार करना तो बड़ी बात किसी को इस पर बात भी करने की इजाजत नहीं देते थे। देश एक बहुत अनिश्चित मोड़ पर खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी बिल्कुल खामोश हैं। पहलगाम के बाद दो आल पार्टी मीटिंग हुईं मगर एक में भी प्रधानमंत्री नहीं आए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दोनों में मौजूद थे।

# शरीर में कैल्शियम की कमी होने पर कौन से लक्षण जरूर दिखते हैं, कैसे करें पहचान

कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए ही नहीं बल्कि हमारे पूरे शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है. कैल्शियम हड्डी और मांसपेशी को मजबूत बनाने के लिए कैल्शियम जरूरी है और हमारे शरीर के लिए एक जरूरी खनिज है. कैल्शियम न केवल मांसपेशियों और नसों के सुचारू कामकाज के लिए जरूरी है बल्कि दिल के भी शरीर में इसकी जरूर होती है. यदि शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाए तो कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा रहता है. क्यों जरूरी है कैल्शियम और इसकी कमी से क्या होता है. बता रहे हैं एक्सपर्ट.

कैल्शियम हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्य करता है. सामान्य तौर पर यह हड्डियों और दांतों की मजबूती के लिए जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही पूरा शरीर अपने सभी कार्य सुचारू रूप से करता रहे, इसके लिए भी कैल्शियम की जरूरत होती है. कैल्शियम की अधिकता और कमी कई गंभीर बीमारियों का कारण बनती है. शरीर में कैल्शियम की पूर्ति आहार और सप्लीमेंट से होती है. इसलिए जरूरी है कि अपने खानपान का खास ध्यान रखें. शरीर में कैल्शियम की मानक के अनुसार मात्रा रहना जरूरी है.

**शरीर में कैल्शियम कीकमी होने पर क्या होता है**

शरीर में कैल्शियम की कमी होने पर सबसे पहले हड्डियों और मांसपेशियों की कमजोरी होती है. इसके अलावा दांतों में दर्द शुरू हो सकता है. कैल्शियम की कमी के कारण तंत्रिता तंत्र के गंभीर रोग हो सकते हैं. लंबे समय तक कैल्शियम की कमी बनी रहे तो दिल संबंधी रोग भी हो सकते हैं. शरीर में मौजूद कैल्शियम का 99 प्रतिशत हिस्सा हड्डियों और दातों में होता है. जबकि महज एक प्रतिशत हिस्सा ही रक्त और अन्य ऊतकों में होता है.

**क्यों होती है कैल्शियम की कमी**

शरीर में कैल्शियम की कमी का प्रमुख कारण आहार है. गलत खानपान के कारण इसकी कमी होती है. इसके अलावा विटामिन-डी के कारण भी शरीर में कैल्शियम की कमी होजाती है. इसके अलावा बढ़ती उम्र, नमक और कैफिनका ज्यादा सेवन, हार्मोनल बदलाव और गुर्दे की बीमारी भी इसका कारण हो सकती हैं. शरीर में कैल्शियम की मात्रा को बनाए रखने के लिए कैल्शियम से भरपूर आहार लेना चाहिए।

# शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

**ललित गर्ग**

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीज फायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी।

जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ह्यऑपरेशन-सिंदूरह्न की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा।

पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरूआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है, जिसके तहत आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग करके भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया था। सच्चाई तो यह है कि धर्म को आतंक से पाकिस्तान ने जोड़ा है। आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय एवं शर्मनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

भारत का मकसद आतंकवाद का खात्मा है, युद्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है।

भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा झेल पाने में असमर्थ है, युद्ध को तो वह भूल ही जाए। इसके बाद भी अगर वह दुस्साहस करने की सोच रहा है, तो यह जरूरी हो जाता है कि उस तक पहुंचने वाली मदद को भी रोका जाए। उसे आईएमएफ से नए राहत पैकेज का इंतजार है और भारत सरकार इसका विरोध करेगी। दुनिया को समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान को मिलने वाली कोई भी मदद आखिरकार आतंक फैलाने में ही इस्तेमाल होगी।

# युद्ध : विनाश का वैश्विक व्यापार

**– विवेकानंद माथने**

हर युद्ध की सबसे बड़ी कीमत आम आदमी चुकाता है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आम जीवन की बुनियादी जरूरतें और सामाजिक प्रगति भी बुरी तरह प्रभावित होती है। सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी-उन्मूलन जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों के बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ा देती हैं, जिससे आम जनता का जीवन और भी कठिन हो जाता है।

युद्ध मानव सभ्यता के इतिहास का एक दुखद, लेकिन महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। प्राचीन काल से लेकर आज तक, भले ही युद्धों के स्वरूप बदलते रहे हों, परंतु उनके मूल कारण आज भी वही हैं-सत्ता की लिप्सा, प्रभुत्व की चाह और संकुचित राष्ट्रवाद। महाभारत का महासंग्राम हो या प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध, हर संघर्ष के बाद शेष रह जाती हैं, केवल लाशें, उजड़े नगर, बिखरे सपने और मानवता की हार। विडंबना यह है कि आज जब विज्ञान और तकनीक नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है, तब भी दुनिया युद्ध के उन्माद से ग्रस्त है, संकुचित राष्ट्रवाद का ज्वर चढ़ा है, हर देश दूसरे को आंखें दिखा रहा है, मानो एक-दूसरे के खून का प्यासा हो। परिस्थितियां धीरे-धीरे तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही हैं।

यूक्रेन, जो कभी सोवियत संघ का हिस्सा था, अब 'नार्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन' (नाटो) से जुड़ना चाहता है। 'नाटो' ने रूस को घेरने की मंशा से यूक्रेन का समर्थन किया और यह टकराव युद्ध में बदल गया। यह संघर्ष तीन साल से जारी है। यूक्रे न के शहर खंडहरों में तब्दील हो गए हैं और बुनियादी ढांचे ध्वस्त हो गए हैं। अब तक दोनों पक्षों के कुल 1.90 लाख से अधिक सैनिक मारे गए और 2.80 लाख से अधिक घायल हुए हैं। यूक्रेन की 1.43 करोड़ आबादी विस्थापित हो चुकी है, जिनमें से 65 लाख से अधिक शरणार्थी बनकर विदेश चले गए हैं और शेष अपने ही देश में दर-दर भटक रहे हैं। यूक्रेन की अर्थव्यवस्था चरमरा चुकी है, वहीं पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते रूस की अर्थव्यवस्था भी गंभीर दबाव में है।

'हमास' के हमले और नागरिकों को बंधक बनाए जाने के जवाब में इजराइल ने गाजा पर भीषण हमला किया। इस बदले की आग में हजारों निर्दोष लोगों की जानें गईं और लाखों घायल हुए, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गाजा के करीब 19 लाख लोग विस्थापित हो चुके है, 70प्रतिशत से अधिक आवास नष्ट हो चुके हैं और अस्पताल, स्कूल, पानी और बिजली व्यवस्था का लगभग 90प्रतिशत ढांचा पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। भोजन और पानी जैसी बुनियादी जरूरतों का भी गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।सूडान में 2023 से सेना और 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' (आरएसएफ) के बीच जारी संघर्ष में 61,000 से अधिक लोग मारे गए और 1.2 करोड़ विस्थापित हुए हैं। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद गृहयुद्ध छिड़ा, जिसने लाखों को शरणार्थी बना दिया। यमन में 2014 से जारी युद्ध ने 68प्रतिशत आबादी को मानवीय सहायता पर निर्भर कर दिया। इथियोपिया में 'टिग्रे संघर्ष' ने हजारों की जान ली और अफगानिस्तान के जख्म आज भी हरे हैं। हर युद्ध की सबसे बड़ी कीमत आम आदमी चुकाता है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आम जीवन की बुनियादी जरूरतें और सामाजिक प्रगति भी जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों के बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ा देती हैं, जिससे आम जनता का जीवन और भी कठिन हो जाता है।

# युद्धविराम का असली खेल

पिछले बुधवार को शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में एक नया जोश और उम्मीद जागी थी कि अब आतंकवाद के पीड़ितों को इंसाफ मिलेगा और पहलगाम हमले का करारा जवाब पाकिस्तान को दिया जाएगा। इस ऑपरेशन के बाद सरकार की तरफ से यही कहा भी गया कि न्याय कर दिया गया। लेकिन फिर पाकिस्तान की तरफ से आक्रमण शुरू हुए, उनका भी माकूल जवाब भारतीय सेना ने दिया। हालांकि इनमें सीमा पर बसे नागरिकों को जान-माल का काफी नुकसान हुआ, लेकिन देशभक्ति और राष्ट्रवाद के नाम पर इन पर सरकार से सवाल करना गुनाह मान लिया गया। इस बीच शनिवार शाम को अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खबर दी कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों पक्षों से लंबी चर्चा की है और उनकी मध्यस्थता के कारण अब युद्धविराम हो गया है। युद्ध खत्म होगा, इस बात पर राहत तो महसूस हुई, लेकिन यह राहत क्षणिक ही थी क्योंकि कुछ ही देर में पाकिस्तान की तरफ से हमले फिर शुरू हो गए। और फिर शनिवार देर रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने राष्ट्र को संबोधित करते हुए बताया कि उनकी ऐतिहासिक जीत हुई है। यह झटका काफी नहीं था कि रविवार सुबह डोनाल्ड ट्रंप का एक और ट्वीट आ गया, जिसमें ट्रंप ने दावा किया कि अब वह हजारों सालों से चले आ रहे कश्मीर विवाद को भी सुलझाने में मदद करेंगे।

देश ने पहले भी पांच युद्ध देखे हैं, कई बड़े आतंकी हमलों के जख्म खाए हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ हुई साजिशों को झेला है, लेकिन शनिवार से लेकर रविवार तक जितने झटके देश को मिले, ऐसा शायद कभी नहीं हुआ। इनमें सबसे अधिक दुख की बात यह रही कि इतना कुछ होता रहा और नरेन्द्र मोदी का एक लाइन का ट्वीट, एक वाक्य का राष्ट्र के नाम संबोधन सुनाई नहीं दिया। कम से कम रविवार शाम साढ़े छह बजे तक तो यही स्थिति थी। देश में अब तक जो नहीं हुआ, वो नरेन्द्र मोदी ने मुमकिन कर दिखाया। श्री मोदी ने देश की संप्रभुता को दांव पर लगाते हुए अमेरिका को हमारे मामले में दखलंदाजी की अनुमति दे दी। जिस अंदाज में ट्रंप ने सीजफायर को लेकर दावे किए उससे तो यही लगता है। भारत शांतिप्रिय देश है, बावजूद इसके भारत 1947, 1962, 1965, 1971, और 1999 पांच बार युद्ध का हिस्सा बना।

इसमें 62 के चीन के आक्रमण में भारत को हार मिली, लेकिन बाकी सारे युद्ध जो पाकिस्तान के साथ लड़े गए, उसमें हमें जीत हासिल हुई। भारत ने यह हमेशा सुनिश्चित किया कि कोई तीसरा देश हमारे मामले में दखलंदाजी न करे। लेकिन इस समय 2025 में पाकिस्तान के साथ जो युद्ध की स्थिति बनी, उसमें पहले तो ऑपरेशन सिंदूर चला कर नरेन्द्र मोदी ने यह बताया कि उनकी सरकार पहले की नीतियों पर ही चलेगी और हमले पर जवाबी कार्रवाई करेगी। लेकिन सात मई को हुए आपरेशन सिंदूर में मिली सफलता के महज 3 दिन बाद ही ट्रंप ने 10 मई की शाम को अचानक दुनिया को संदेश दिया कि उनकी मध्यस्थता के कारण दोनों देश युद्धविराम पर सहमत हुए हैं। 78 सालों में कभी किसी देश ने इस तरह भारत के नाम पर अपना बयान जारी नहीं किया। यहां तक कि रूस ने भी कभी भारत के साथ दोस्ती का ऐसा नाजायज फायदा नहीं उठाया, लेकिन ट्रंप ने ऐसा किया तो जाहिर है नरेन्द्र मोदी से सवाल हो रहे हैं कि वो पूरे मामले की सच्चाई बताएं। क्या उन्होंने ट्रंप को मध्यस्थता करने कहा, अगर ऐसा है तो फिर उस विपक्ष को भरोसे में क्यों नहीं लिया, जो शुरू से इस मुद्दे पर सरकार के साथ खड़ा है। कांग्रेस की तरफ से फिर से संसद का विशेष सत्र बुलाने और सर्वदलीय बैठक में नरेन्द्र मोदी के शामिल होने की मांग की गई है, लेकिन ऐसा लगता नहीं कि सरकार विपक्ष की बात सुनेगी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने तो राष्ट्र के नाम संबोधन में इसे पाकिस्तान की ऐतिहासिक जीत कहा, लेकिन श्री मोदी ने तब भी देश को यह नहीं बताया कि भारत अगर जीत का दावा कर रहा है तो फिर पाकिस्तान हार क्यों नहीं मान रहा। अपने संबोधन में शरीफ ने अमेरिका, ब्रिटेन, कतर, सऊदी अरब, तुर्किए, और चीन सबका शुक्रिया अदा किया। ऐसे में भारत को बताना चाहिए कि अगर ये सारे देश पाकिस्तान के साथ खड़े थे तो क्या इन्होंने भारत का विरोध किया है। दरअसल सीजफायर के बहाने कश्मीर के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय दखलंदाजी का खेल रचा गया है और इसमें जाहिर हुआ है कि नरेन्द्र मोदी कूटनीतिक मोर्चे पर बुरी तरह पिछड़ चुके हैं। ट्रंप कश्मीर विवाद को जिस तरह भारत-पाक के बीच हजारों सालों का मुद्दा बता चुके हैं, यह न केवल तथ्यात्मक तौर पर गलत है, बल्कि बेहद शर्मनाक भी है कि कश्मीर के संवेदनशील मुद्दे को ट्रंप इतने हल्के तरीके से पेश कर रहे हैं। हजारों सालों से विवाद की बात कहकर वे भारत की छवि भी बिगाड़ रहे हैं, क्योंकि भारत का इतिहास ऐसा नहीं रहा है कि वह किसी और की जमीन को जबरन अपना बता कर कब्जा करे।

यह काम अमेरिका और ब्रिटेन जैसे साम्राज्यवादी देशों का रहा है, लेकिन ट्रंप भारत का अपमान लगातार कर रहे हैं और मोदी इस पर कुछ नहीं कह रहे। इन हालात में इंदिरा गांधी को लोगों ने याद करना शुरू किया, जिन्होंने 71 के युद्ध में अमेरिका की धरती से ही अमेरिका को चेतावनी दे दी थी कि हमारे मामले में टांग अड़ाने का उन्हें कोई हक नहीं है। अमेरिका ने तब जो धमकियां दीं, इंदिरा गांधी ने उनका कड़ा जवाब दिया।

## गाजा संघर्ष के बीच इजराइल की 'आखिरी कोशिश', कैदियों की रिहाई पर वार्ता के लिए टीम जाएगी दोहा

**जेरूसलम/दोहा।** गाजा में बढ़ते संघर्ष के बीच इजराइल ने एक अहम कदम उठाते हुए कैदियों की रिहाई के लिए दोहा (कतर) में वार्ता को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे आखिरी कोशिश करार दिया है, जो संघर्ष के और अधिक विस्तार को रोकने की मंशा के साथ की जा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उनके विशेष मध्यपूर्व दूत स्टीव विटकॉफ़, और इजरायल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी से महत्वपूर्ण मुलाकात की। इस बैठक में कैदियों की रिहाई और संघर्ष की गंभीर होती स्थिति पर गहन चर्चा हुई। इजराइली अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह वार्ता मंगलवार को दोहा में होगी। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से स्पष्ट किया गया कि, वार्ताएं केवल गोलीबारी के बीच ही होंगी, यानी इजराइल अपने सैन्य अभियानों को रोकने के लिए तैयार नहीं है। यह वार्ता ऐसे समय पर हो रही है, जब गाजा में इजराइली हमले तेज हो गए हैं और मानवीय संकट गहराता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय लगातार दोनों पक्षों से संयम बरतने और शांति वार्ता को प्राथमिकता देने की अपील कर रहा है।

## गाजा में नाकाबंदी के कारण 57 बच्चों की भूख से मौत: डब्ल्यूएचओ

**गाजा सिटी।** विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया है कि गाज़ा पट्टी में लगभग पांच लाख लोग भयंकर भूखमरी से जूझ रहे हैं और दो मार्च से शुरू हुई इजरायली नाकाबंदी के बाद से अब तक 57 बच्चों की कुपोषण से मौत हो चुकी है। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि दो मार्च 2025 से शुरू हुई नाकाबंदी के बाद अब तक कुपोषण से 57 बच्चों की मौत हो चुकी है और यह संख्या वास्तविक आंकड़े से कम हो सकती है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, अगर हालात नहीं बदले तो अगले 11 महीनों में पांच साल से कम उम्र के करीब 71 हजार बच्चे कुपोषण का शिकार हो सकते हैं। गाज़ा की पूरी 21 लाख आबादी लंबे समय से खाद्य संकट का सामना कर रही है, जिसमें करीब पांच लाख लोग कुपोषण, भुखमरी, बीमारी और मौत की स्थिति में हैं। यह दुनिया के सबसे गंभीर भूख संकटों में से एक है, जो इस समय सामने आ रहा है। उल्लेखनीय है कि फिलिस्तीनी आंदोलन हमास द्वारा युद्ध विराम को बढ़ाने की अमेरिकी योजना को अस्वीकार किये जाने के बाद 18 मार्च को, इजरायल ने गाजा पट्टी पर हमले फिर से शुरू कर दिए।

## इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम का कई बार उल्लंघन हुआ है: अल थानी

**दोहा।** कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने कहा है कि इजरायल और फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के बीच संघर्ष विराम समझौते को कई उल्लंघनों के कारण पूरी तरह से लागू नहीं किया गया। गौरतलब है कि इजरायल और हमास के बीच तीन-चरणीय संघर्ष विराम समझौता जनवरी 2025 में अमेरिका, मिस्र और कतर की मध्यस्थता के साथ पार्टियों द्वारा किया गया था। हालांकि, मार्च में संघर्ष विराम का पालन नहीं किया गया। श्री अल थानी ने द वाशिंगटन पोस्ट अखबार को बताया, एक मध्यस्थ के रूप में मैं यथासंभव किसी पक्ष की आलोचना न करने की कोशिश करता हूं, लेकिन पहले समझौते में कई समस्याएं और उल्लंघन हुए थे, जिससे हम पक्षों के बीच विश्वास जीतने की अनुमति नहीं दे सके और सौदे के दूसरे चरण को जारी रख सकें। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने पश्चिम एशिया के दौरे (जिसमें दोहा की यात्रा भी शामिल है) के दौरान फिलिस्तीनी के पक्ष में बोलेंगे या नहीं। उन्होंने कहा, ÷हमने ऐसा कुछ नहीं सुना, लेकिन यह अंतिम समाधान है। कतर शुरू से ही दो-राज्य समाधान में दृढ़ विश्वास रखता है। उन्होंने कहा कि श्री ट्रम्प के साथ वार्ता के दौरान कई पहलुओं पर चर्चा की जाएगी, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा और रक्षा हैं।

## लंदन की अदालत ने रूस के लिए जासूसी करने के मामले छह बुल्गारियाई लोगों को जेल की सज़ा सुनाई

**लंदन।** ब्रिटेन में लंदन की ओल्ड बेली आपराधिक अदालत ने रूस के लिए कथित तौर पर जासूसी करने के मामले में बुल्गारिया के छह नागरिकों को जेल की सजा सुनाई है। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने सोमवार को एक बयान में कहा, ब्रिटेन में रहने वाले छह बुल्गारियाई लोगों के एक समूह को रूस की ओर से पूरे यूरोप में जासूसी अभियान का हिस्सा होने के लिए कुल मिलाकर 50 साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई गई है।÷ बयान में कहा गया है कि ओरलिन रूसेव, बिजर दज़म्बाज़ोव, कैटरीन इवानोवा, इवान स्टोयानोव, वान्या गेबेरोवा और तिहोमिर इवानचेव को पांच साल और तीन महीने से लेकर 10 साल और आठ महीने तक की सजा सुनाई गई है। पुलिस के अनुसार, इवानोवा, गेबेरोवा और इवानचेव को जासूसी करने का दोषी पाया गया, जबकि रूसेव, दज़म्बाज़ोव और स्टोयानोव ने मुकदमा शुरू होने से पहले ही जासूसी करने का अपराध स्वीकार कर लिया गया था।

## अमेरिका के उत्तरी कैस्केड्स में ऑस्ट्रेलिया के तीन पर्वतारोहियों की मौत

**एजेंसी**
**वाशिंगटन।** संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी कैस्केड्स में हुई दुर्घटना में ऑस्ट्रेलिया के तीन पर्वतारोहियों की मौत हो गई। हादसे में एक पर्वतारोही घायल हो गया। उत्तरी कैस्केड्स पश्चिमी उत्तरी अमेरिका में कैस्केड पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है। यह दुनियाभर के पर्वतारोहियों के आकर्षण का केंद्र है। कैस्केड पर्वत श्रृंखला ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा और वाशिंगटन के बीच फैली हुई है। यह क्षेत्र उच्च गुणवत्ता वाले हिमनद और अल्पाइन इलाके के लिए जाना जाता है। सिएटल टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, वाशिंगटन के ओकानोगन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि उत्तरी कैस्केड्स रॉक क्लाइम्बिंग दुर्घटना सप्ताहांत हुई। माजामा से लगभग 16 मील पश्चिम में नॉर्थ अर्ली विंटर्स स्पायर के पास

एक खड़ी खाई के किनारे से नीचे उतरते समय उनके उपकरण विफल हो गए। चौथे पर्वतारोही को गिरने से आंतरिक रक्तस्राव और मस्तिष्क में गंभीर चोट लगी, लेकिन वह बच गया। वह वाशिंगटन पास के पूर्व में ट्रेलहेड पर वापस चला गया। उसने रविवार को लगभग 11:30 बजे 911 पर कॉल कर दुर्घटना की जानकारी साझा की। शेरिफ कार्यालय ने इन पर्वतारोहियों के नाम जारी नहीं किए हैं, लेकिन कहा है कि वे 36, 47 और 63 वर्ष के थे। ओकानोगन काउंटी खोज और बचाव समन्वयक क्रिस्टीना वुडवर्थ ने कहा कि यह हादसा शनिवार देररात या रविवार सुबह हुआ। वुडवर्थ ने कहा कि जीवित बचे व्यक्ति को गिरने वाली जगह से खुद को निकालने और अपने वाहन तक वापस चलने में कई घंटे लगे होंगे। ओकानोगन काउंटी शेरिफ कार्यालय के बयान के अनुसार स्नोहोमिश काउंटी हेलीकॉप्टर बचाव दल ने तीनों के शव बरामद कर लिए हैं।

## ट्रंप के पक्ष में 'हश मनी' मुकदमे में पैरवी करने वाले टॉड ब्लैंश बने अमेरिका के कार्यवाहक लाइब्रेरियन ऑफ कांग्रेस

**एजेंसी**
**न्यूयॉर्क।** अमेरिका के उप अटॉर्नी जनरल और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हश मनी मामले में प्रमुख बचाव पक्ष के वकील रहे टॉड ब्लैंश को देश के कार्यवाहक लाइब्रेरियन ऑफ कांग्रेस के रूप में नियुक्त किया गया है। यह जानकारी अमेरिकी न्याय विभाग ने दी। ब्लैंश ने हाल ही में ट्रंप का प्रतिनिधित्व उस ऐतिहासिक आपराधिक मुकदमे में किया था, जिसमें उन्हें 34 आपराधिक आरोपों में दोषी ठहराया गया था। इसके बावजूद, ट्रंप के करीबी और समर्थक माने जाने वाले ब्लैंश को यह अहम पद सौंपा गया है। कार्ला हेडन, जो कि 2015 में तत्कालीन डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा नियुक्त की गई थीं, को पिछले सप्ताह व्हाइट हाउस द्वारा पद से हटा दिया गया। हेडन पर कुछ रूढ़िवादी आलोचकों ने ÷वोक एजेंडा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। ब्लैंश, जो कभी एक

संघीय अभियोजक भी रह चुके हैं, ट्रंप प्रशासन के दौरान न्याय विभाग में सक्रिय रहे और बाद में ट्रंप के खिलाफ बाइडन प्रशासन द्वारा लाए गए दो मामलों में उनकी रक्षा की। इसके बाद उन्हें उप अटॉर्नी जनरल बनाया गया।

## पाकिस्तान की टिकटॉक गर्ल सजल का वीडियो वायरल, कहा-फर्जी

**एजेंसी**
**दुबई।** पाकिस्तान की मशहूर टिकटॉक स्टार गर्ल सजल मलिक ने पिछले माह ऑनलाइन प्रसारित वीडियो पर अब चुप्पी तोड़ी है। इसमें कथित तौर पर उन्हें आपित्तजनक भाव भंगिमा में दिखाया गया है। सजल मलिक ने इस वीडियो को पूरी तरह फर्जी बताया। गल्फ न्यूज की खबर में सजल के इस वीडियो पर विस्तार से चर्चा की गई है। यह वीडियो 22 अप्रैल को पहली बार प्रसारित किया गया। धीरे-धीरे यह विभिन्न सोशल साइट्स में वायरल हो गया। सजल मलिक ने जारी बयान में इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से साफ इनकार किया। उन्होंने कहा वीडियो पूरी तरह से फर्जी है। इस घटना के बाद से वह मानसिक रूप से परेशान हैं।

कुछ लोगों ने वीडियो की वैधता पर सवाल उठाए हैं। कइयों ने सजल मलिक की आलोचना की है। इसके बाद सजल मलिक ने पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने लीक के स्रोत की गहन जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह ऑनलाइन ट्रोलिंग उनके चरित्र हनन के बराबर है। उल्लेखनीय है कि सजल मलिक आकर्षक स्ट्रीट इंटरव्यू और टिकटॉक पर सोशल कमेंट्री के लिए जानी जाती हैं। उनके 176,000 से अधिक फॉलोअर्स हैं। इस घटना के कारण उन्हें निजता के हनन का सामना करना पड़ा है।

हालांकि बयान से पहले उनकी चुप्पी ने अटकलों को हवा दी। अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह इस मामले को सुलझाने के लिए कानूनी कार्रवाई करेंगी।

## अमेरिका में कार दुर्घटना में दो भारतीय छात्रों की मौत, एक घायल

**एजेंसी**
**वाशिंगटन।** अमेरिका की क्लीवलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी के दो भारतीय छात्रों की 10 मई की सुबह लैंकेस्टर काउंटी में पेंसिल्वेनिया टर्नपाइक पर एक कार दुर्घटना में जान चली गई। न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शोक संतप्त परिवारों को सहायता का आश्वासन दिया है।

इस हादसे में एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार, स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में मृतकों की पहचान 23 वर्षीय सौरव प्रभाकर और 20 वर्षीय मानव पटेल के रूप में हुई है। पेंसिल्वेनिया स्टेट पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना रीडिंग इंटरचेंज के करीब ब्रेकनॉक टाउनशिप में माइलपोस्ट 286.5 के पास सुबह 7:08 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, कार सड़क से उतर गई। पहले कार एक पेड़ से टकराई और इसके बाद एक पुल से टकराकर रुक गई।

आपातकालीन टीम ने पाया कि कार चला रहे प्रभाकर और पीछे की सीट पर बैठे पटेल मृत मिले।

अधिकारियों के अनुसार, कार की अगली सीट पर बैठा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उसे स्थानीय रीडिंग अस्पताल पहुंचाया गया। लैंकेस्टर काउंटी कोरोनर के कार्यालय ने पुष्टि की है कि दोनों छात्रों की मृत्यु दर्दनाक चोटों से हुई है। पेंसिल्वेनिया राज्य पुलिस फॉरेंसिक सेवा इकाई दुर्घटना की जांच में सहायता कर रही है।

## सीजफायर प्रस्ताव ठुकराने के बाद रूस ने यूक्रेन पर किया ड्रोन हमला, शांति वार्ता की जताई सहमति

**एजेंसी**
**कीव।** रूस और यूक्रेन के बीच जारी तीन साल से अधिक लंबे युद्ध के बीच क्रेमलिन ने बिना शर्त संघर्षविराम (सीजफायर) प्रस्ताव को ठुकरा दिया, लेकिन इसी के साथ इस सप्ताह संभावित शांति वार्ता में शामिल होने की इच्छा भी जताई है। इस घोषणा के कुछ ही घंटों बाद रूसी सेना ने यूक्रेन पर 100 से अधिक'शहीद' और डिकोय ड्रोन से रातभर हमले किए। यह जानकारी यूक्रेनी वायुसेना ने दी।

हालांकि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को गुरुवार को तुर्की में आमने-सामने बातचीत के लिए दी गई चुनौती पर अब तक क्रेमलिन की ओर से सीधा जवाब नहीं आया है। रूसी प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव नेकहा, हम एक दीर्घकालिक शांतिपूर्ण समाधान की

गंभीरता से तलाश कर रहे हैं। बस यही कहना है। जब उनसे पूछा गया कि रूसी पक्ष से इस्तांबुल कौन जाएगा, तो उन्होंने स्पष्ट जानकारी देने से इनकार कर दिया।अमेरिका और यूरोपीय देशों ने हाल के दिनों में युद्ध रोकने के लिए तेज कूटनीतिक प्रयास किए हैं। इस युद्ध में अब तक दोनों देशों के दसियों हजार सैनिक और 10,000 से अधिक यूक्रेनी नागरिक मारे जा चुके हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में यह सबसे बड़ा सैन्य संघर्ष है, जिसमें रूस ने यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत भूभाग पर कब्जा कर रखा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन में कहा कि उन्हें इस्तांबुल में होने वाली वार्ता को लेकर सकारात्मक उम्मीद है। उन्होंने यह भी बताया कि वह उस दिन कतर और यूएई यात्रा के दौरान ÷वार्ता में शामिल होने के लिए उड़ान भरने पर विचार कर रहे हैं। इससे पहले सप्ताहांत में रूस ने अमेरिका और यूरोपीय नेताओं द्वारा प्रस्तुत संघर्षविराम प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया था, लेकिन गुरुवार को इस्तांबुल में प्रत्यक्ष वार्ता के लिए सहमति जताई। वहीं यूक्रेन और उसके सहयोगी चाहते थे कि वार्ता से पहले रूस सोमवार से संघर्षविराम लागू करे, जिसे मॉस्को ने अस्वीकार कर दिया।

## हमास ने अमेरिकी-इजराइली सैनिक एडन अलेक्जेंडर को 19 महीने बाद किया रिहा

**एजेंसी**
**गाजा।** फिलिस्तीनी संगठन हमास ने 19 महीने से गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए अमेरिकी-इजराइली सैनिक एडन अलेक्जेंडर को रिहा कर दिया है। यह कदम संघर्षविराम की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। हमास के अनुसार, यह रिहाई अमेरिकी प्रशासन से हुई बातचीत के बाद की गई। इजराइली अधिकारियों ने भी अलेक्जेंडर की रिहाई की पुष्टि की है, हालांकि उन्होंने विवरण साझा नहीं किया। अधिकारियों के अनुसार, यह प्रक्रिया गोपनीय रूप से आगे बढ़ाई जा रही है।हमास द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, यह कदम संघर्षविराम प्राप्त करने, सीमाओं को खोलने और गाजा पट्टी में हमारे लोगों तक मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए मध्यस्थों द्वारा किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। संगठन ने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया में उसने सकारात्मकता और लचीलापन दिखाया है। बयान में अमेरिकी प्रशासन से यह अपील भी की गई कि वह इस निर्मम युद्ध को समाप्त करने के लिए अपने प्रयास जारी रखे, जिसे नेतन्याहू द्वारा गाजा के बच्चों, महिलाओं और निहत्थे नागरिकों के खिलाफ चलाया जा रहा है यह रिहाई ऐसे समय पर हुई है जब गाजा में मानवीय संकट और युद्ध की भयावहता चरम पर है। अमेरिका और कतर जैसे देशों के मध्यस्थ प्रयासों के कारण संघर्षविराम की उम्मीदें फिर से प्रबल हुई हैं। उल्लेखनीय है कि एडन अलेक्जेंडर को 07 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए सीमा पार हमले में उनके सैन्य अड्डे से अपहृत कर लिया गया था।

## सुरक्षा प्रमुख की मौत की खबरों के बीच लीबिया के त्रिपोली में हिंसक झड़प

**त्रिपोली।** लीबिया की राजधानी त्रिपोली में प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र समूहों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। रिपोर्टों के अनुसार, ये झड़पें राष्ट्रपति परिषद से संबद्ध स्थिरता सहायता विभाग के प्रमुख अब्दुल-गनी अल-किकली उर्फ गनीवा की मौत की सूचना के बाद शुरू हुयी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, श्री अल-किकली (घनीवा) की मौत त्रिपोली मिलिट्री ज़ोन से संबद्ध 444 ब्रिगेड के मुख्यालय में हुई। उनकी वहां मौजूदगी का कारण स्पष्ट नहीं है। इस घटना के साथ ही त्रिपोली के दक्षिणी इलाकों में भारी हथियारों से गोलीबारी की आवाज़ें सुनी गईं और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पिछले कुछ घंटों में त्रिपोली और उसके आसपास सैन्य गतिविधियों के वीडियो सामने आए

हैं, जिसमें ज़ाविया, ज़िंतान और मिसराता शहरों से सशस्त्र गुटों को राजधानी की ओर बढ़ते देखा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के चिकित्सा आपातकालीन विभाग ने झड़पों के बाद पूर्ण अलर्ट की घोषणा की, जबकि गृह मंत्रालय ने त्रिपोली के निवासियों को उनकी सुरक्षा के लिए घर पर रहने की सलाह दी। मितीगा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने सभी उड़ानें निलंबित कर दी हैं और उन्हें 250 किमी दूर मिसराता अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया है। इसके साथ ही त्रिपोली के कुछ हिस्सों में स्कूल भी बंद कर दिए। संयुक्त राष्ट्र लीबिया सहायता मिशन (यूएनएसएमआईएल) ने त्रिपोली में तनाव कम करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वह त्रिपोली और पश्चिमी क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों और बढ़ते तनाव पर करीबी से नजर रखे हुए है। मिशन ने सभी पक्षों से उकसावे वाली कार्रवाइयों से बचने और संवाद के जरिए विवाद सुलझाने की अपील की है।

## अफगानिस्तान के सर्वोच्च नेता अखुंदजादा शरिया के पक्षधर, खुफिया अफसरों से मदद का आह्वान

**एजेंसी**
**काबुल।** इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान (आईएए) के सर्वोच्च नेता शेख मुल्ला हेबतुल्ला अखुंदजादा ने कहा कि खुफिया सेवाओं को किसी को भी खुले तौर पर या गुप्त रूप से धार्मिक और इस्लामी रीति-रिवाजों का अपमान करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। उन्होंने खुफिया अफसरों से मुल्क में शरिया लागू करने में मदद का आह्वान किया। द काबुल टाइम्स की खबर के अनुसार, आईईए के उप प्रवक्ता मुल्ला हमदुल्ला फितरत के रविवार को जारी बयान के अनुसार, सर्वोच्च नेता ने खुफिया अधिकारियों के एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान यह टिप्पणी की। अखुंदजादा ने खुफिया जानकारी को सरकार की रीढ़ बताया। सर्वोच्च नेता ने कहा कि इस्लामी व्यवस्था के दुश्मनों की गुप्त

और प्रत्यक्ष योजनाओं को बेअसर करना होगा। उन्होंने कहा कि खुफिया सेवाओं को शरिया को लागू करने और लोगों की मानसिकता को आकार देने के लिए अन्य विभागों के साथ काम करना चाहिए। सर्वोच्च नेता ने कहा कि खुफिया अधिकारियों को लोगों के प्रति दया दिखानी चाहिए। संदेह के आधार पर व्यक्तियों को हिरासत में लेने से बचना चाहिए।

## राजशाही समर्थक आंदोलन की तैयारी बैठक के दौरान शिवसेना नेपाल के अध्यक्ष गिरफ्तार

**एजेंसी**
**काठमांडू।** नेपाल में राजशाही की पुनर्बहाली के लिए 29 मई से शुरू होने जा रहे बेमियादी आंदोलन की हुई तैयारी बैठक के बीच से पुलिस ने शिवसेना नेपाल के अध्यक्ष अनिल बस्नेत को गिरफ्तार कर लिया। नेपाल पुलिस की टीम ने विभिन्न राजनीतिक दल और संगठनों की संयुक्त बैठक के बीच ही पहुंचकर बस्नेत को तिनकुने हिंसक घटना में सहभागी होने के आरोप में गिरफ्तार किया। इस दौरान कुछ देर तक वहां पर तनाव की स्थिति भी बनी रही, लेकिन भारी मात्रा में पुलिस बल होने के कारण शिवसेना नेपाल के अध्यक्ष को पुलिस गिरफ्तार कर अपने साथ ले जाने में सफल रही। काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता एसपी अपीलराज बोहरा ने कहा कि राजशाही के पक्ष में हुए आंदोलन के दौरान जो हिंसक घटना हुई थी उस दिन वहां मौजूद शिवसेना नेपाल के अध्यक्ष ने भीड़ को उकसा कर हिंसा को भड़काने का आरोप है। 28 मार्च को राजशाही के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान दो लोगों की मौत होने साथ ही दर्जनों लोग घायल हो गए थे। करीब दो दर्जन प्रदर्शनकारियों को गोली लगी थी।

## तुर्किये में चार दशक से जारी कुर्द संघर्ष के समाप्त होने के आसार

**एजेंसी**
**अंकारा।** तुर्किये की एक जेल में बंद कुर्द नेता अब्दुल्ला ओकलान के सशस्त्र समूह कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने लगभग चार दशक से जारी संघर्ष को समाप्त करने की घोषणा की है। सशस्त्र समूह के करीबी मीडिया आउटलेट फिरात न्यूज एजेंसी ने कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी के इस कदम की सूचना दी।अल जजीरा न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, देश में जारी हिंसा को समाप्त करने का आह्वान जेल में बंद नेता अब्दुल्ला ओकलान ने फरवरी में किया था। इस आह्वान पर कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने लंबा मंथन किया। पिछले शुक्रवार को उत्तरी इराक में समाप्त हुई पार्टी कांग्रेस के बाद समूह ने ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने कहा कि इन्हें जल्द ही जनता के साथ साझा किया जाएगा। फिरात न्यूज एजेंसी के कांग्रेस के दौरान ओकलान का बयान पढ़ा गया। हिंसा का रास्ता छोड़ने की घोषणा में कहा गया कि सशस्त्र संघर्ष ने कुर्द अधिकारों को दबाने की कोशिश करने वाली नीतियों को सफलतापूर्वक चुनौती दी है। कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने अपना ऐतिहासिक मिशन पूरा कर लिया है। पार्टी की 12वीं कांग्रेस ने संगठनात्मक ढांचे को भंग करने और सशस्त्र संघर्ष की अपनी नीति को समाप्त करने का फैसला किया है।

तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु के अनुसार,

सत्तारूढ़ एके पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि यदि कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी के इस निर्णय को पूरी तरह से लागू किया जाता है तो यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मोड़ होगा। इससे क्षेत्रीय परिदृश्य में बदलाव आएगा। इससे उत्तरी इराक और सीरिया को भी राहत मिलेगी। ओकलान 1999 से जेल में बंद है। 1980 के दशक से जारी हिंसा में अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि पार्टी को तुर्किये और अधिकांश पश्चिमी देशों ने आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने युद्ध विराम की घोषणा में शांति वार्ता के लिए कानूनी तंत्र की स्थापना सहित विघटन के लिए शर्तें रखी हैं। समूह ने कहा कि कुर्द लोग शांति और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपनाएंगे। कुर्द राजनीतिक दल और लोकतांत्रिक संगठन लोकतांत्रिक राष्ट्र के गठन को सुनिश्चित करने के लिए आगे आएंगे। कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी की यह घोषणा क्षेत्र में बड़े बदलाव की पृष्ठभूमि में हुई है, जिसमें सीरिया में नया प्रशासन, लेबनान में हिजबुल्लाह सशस्त्र समूह का कमजोर पड़ना और गाजा में इजराइल-हमास युद्ध शामिल हैं। हाल के वर्षों में पीकेके तुर्किये के अंदर छिटपुट हमलों तक सीमित रहा है, क्योंकि उसने अपने लड़ाकों को पहाड़ी सीमा पार करके इराक में भेज दिया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि शांति की यह पहल अक्टूबर में तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के गठबंधन सहयोगी देवलेट बहसेली ने शुरू की थी। बहसेली ने कहा था कि अगर कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी हिंसा का रास्ता छोड़ती है तो ओकलान को पैरोल दी जा सकती है।

## केसीसीआई ने ताइक्वांडो प्रशिक्षण के नए बैच की शुरुआत की

**एजेंसी**

**नयी दिल्ली।** भारत और कोरिया के बीच खेल और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कोरियन कल्चरल सेंटर इंडिया (केसीसीआई) ने ताइक्वांडो प्रशिक्षण के नए बैच की शुरुआत की है। इस पहल में भारत के 45 स्कूलों के 3,195 छात्र शामिल हुए हैं। इसके तहत वर्ष 2021 से अब तक नौ हजार से अधिक छात्रों को ताइक्वांडो सिखाया जा चुका है। ताइक्वांडो कोरिया का पारंपरिक मार्शल आर्ट है ये शारीरिक और मानसिक मजबूती विकसित करने में मदद करता है। यह खेल 1988 के सियोल ओलंपिक में पहली बार प्रदर्शनी के रूप में शामिल हुआ और 2000 के सिडनी ओलंपिक में आधिकारिक ओलंपिक खेल बना। आज यह खेल दुनियाभर में लोकप्रिय है, और भारत में इसका तेजी से विस्तार हो रहा है। इस अवसर पर भारत ताइक्वांडो के अध्यक्ष नामदेव संपत शिरगांवकर ने कहा, हम भारत में ताइक्वांडो की स्थिति को और मजबूत करना चाहते हैं और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाना हमारा मुख्य लक्ष्य है। विश्व ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 और लॉस एंजेल्स ओलंपिक 2028 के लिए हमारी तैयारियां जारी हैं। केसीसीआई के निदेशक ह्वांग इल योंग ने कहा, हम भारत में ताइक्वांडो को एक लोकप्रिय और सुलभ खेल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

## कोहली का नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में दर्ज रहेगा: रेवंत

**हैदराबाद।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने महान क्रिकेटर विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका नाम भारतीय क्रिकेट के इतिहास में दर्ज रहेगा।टेस्ट क्रिकेट से विराट के संन्यास पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर पोस्ट किया और खेल में पूर्व भारतीय कप्तान के असाधारण योगदान की सराहना की। उन्होंने कोहली को एक अत्यंत अनुशासित और प्रतिबद्ध खिलाड़ी बताया, जिन्होंने अनेक रिकॉर्ड बनाए तथा देश के लाखों युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया। श्री रेवंत रेड्डी ने भारतीय क्रिकेट की विरासत में एक उल्लेखनीय अध्याय जारी रखने के लिए कोहली की सराहना की और उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से परे उनकी यात्रा के अगले चरण में बड़ी सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दीं।

## बीसीबी ने शॉन टैट को तेज गेंदबाजी कोच किया नियुक्त

**ढाका।** बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज शॉन टैट को अपनी टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है।शॉन टैट का अनुबंध नवंबर 2027 तक होगा। वह आंद्रे एडम्स का स्थान लेंगे। टैट इस महीने के आखिरी में टीम के साथ शामिल होंगे। टैट ने एक दशक तक चले अपने करियर में ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी प्रारूपों में 59 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 95 विकेट लिए है। वह वर्ष 2007 में क्रिकेट विश्वकप जीतने वाले ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे। एडम गिलक्रिस्ट के शानदार शतक ने ऑस्ट्रेलिया को 2007 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका पर जीत दिलाने में मदद की थी। अपनी नियुक्ति पर टैट ने मुख्य कोच फिल सिमंस के नेतृत्व में राष्ट्रीय टीम के साथ काम करने को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अभी बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ जुड़ना अच्छा समय है। यह एक नए युग की तरह है। बांग्लादेश की हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला बराबर रही थी और उसे अभी संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ भी खेलना है।

## अनाहत, वीर, रमित की हार से विश्व स्क्वैश चैंपियनशिप में भारतीय अभियान समाप्त

**शिकागो।** विश्व स्क्वैश चैंपियनशिप में अनाहत सिंह, वीर चोटरानी और रमित टंडन की हार के साथ ही भारत का टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया। लेकशोर स्पोर्ट एंड फिटनेस सेंटर में रविवार को खेले गये दूसरे दौर में 28 मिनट तक चले मुकाबले में भारत की शीर्ष रैंक वाली महिला खिलाड़ी अनाहत को मिस्र की फेरूज अबोउएल्खिर के हाथों 3-1 (11-7, 8-11, 11-4, 11-3) से हार का सामना करना पड़ा। 17 वर्षीय भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत ने पहले दौर के पांच सेट में अमेरिका की मरीना स्टेफनोनी को हराकर इस स्पर्धा के एकल में जगह बनाई थी। वीर चोटरानी ने भी 32 मिनट तक चले मुकाबले में चार बार के विश्व चैंपियन मिस्र के अली फराग के खिलाफ 3-1 (7-11, 11-7, 11-3, 12-10) से हार गए। चोटरानी ने पहले दौर में इंग्लैंड के डेक्लान जेम्स को 3-1 से हराया था।

# इटालियन ओपन 2025: जैनिक सिनर की डोपिंग बैन से शानदार वापसी, प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

**एजेंसी**

**रोम।** दुनिया के नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने इटालियन ओपन 2025 में डोपिंग बैन से वापसी के बाद लगातार दूसरा मुकाबला जीत लिया है। खेले गए मुकाबले में उन्होंने डच क्वालिफायर जेस्पर डी योंग को 6-4, 6-2 से हराकर अंतिम 16 में जगह बना ली। यह उनका होम क्राउड के सामने पहला टूर्नामेंट है, और फैन्स का जोश चरम पर नजर आया।

**पहले सेट में दिखी चूक, फिर की जोरदार वापसी**

मैच की शुरुआत में सिनर ने 4-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन कुछ गलत ड्रॉप शॉट्स, एक डबल फॉल्ट और अन्य त्रुटियों की वजह से डी योंग ने स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। हालांकि इसके बाद सिनर ने अपने दमदार ग्राउंडस्ट्रोक्स और तेज सर्व के दम पर मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण बना लिया। इस जीत के साथ सिनर की जीत की लय अब 23 मुकाबलों तक पहुंच गई है, जो अक्टूबर 2024 से जारी है। यह

इटालियन ओपन उनके लिए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहली टूर्नामेंट है। फरवरी में वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) के साथ समझौते के तहत सिनर को तीन महीने का बैन झेलना पड़ा। यह फैसला विवादों में रहा क्योंकि इसकी टाइमिंग कुछ ऐसी रही कि वे कोई ग्रैंड स्लैम मिस नहीं कर पाए और सीधे अपने होम टूर्नामेंट से वापसी कर पाए।पहले राउंड में मारियानो नवोन पर जीत की तरह ही इस मैच में भी रोम के फोरो इटालिको स्टेडियम में मौजूद फैन्स ने वाय जैनिक- के नारे लगाकर उन्हें पूरा समर्थन दिया। अगले राउंड में अब उनका सामना अर्जेंटीना के 17वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा, जो मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। दूसरे सेट के दौरान डी योंग एक पासिंग शॉट के प्रयास में गिर पड़े और उनकी कलाई चोटिल हो गई। सिनर तुरंत नेट के पार जाकर उनका हालचाल जानने पहुंचे, उन्होंने उनका रैकेट का हैंडल पोंछा और मेडिकल टीम को बुलाया। डी योंग ने इसके बाद मेडिकल ट्रीटमेंट के बाद मैच खेला। पुरुषों में सातवें वरीय एलेक्स डी मिनौर ने ह्यूगो डेलियन को हराया, हालांकि मैच के दौरान एक दर्शक की तबीयत बिगड़ने और एयरफोर्स फ्लाईओवर के चलते दो बार मैच रुका।

## ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम की घोषणा की

**एजेंसी**

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 11 जून से शुरु होने वाली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए पैट कमिंस की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। चयनकर्ताओं ने चोट से उबर रहे तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को टीम में शामिल किया है। टीम में मिशेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड तथा अनुभवी बल्लेबाज के रूप में उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड और विकेटकीपर एलेक्स कैरी को जगह दी गई हैं। जोश इंगलिस को भी बैकअप विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है साथ ही युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास को टीम में जगह मिली है। बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन स्पिन विकल्प के रूप में नाथन लियोन के साथ शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, यह एक संतुलित और अनुभवी टीम है और हम भाग्यशाली हैं कि पैट, जोश और कैम फिट होकर वापसी कर रहे हैं।

टीम डब्ल्युटीसी खिताब के बचाव और लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीकी टीम का सामना करने के लिए उत्साहित है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है:- पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ (उप-कप्तान), मिशेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर।

# झांसी के लाल का मुम्बई में कमाल, नेशनल सेलिंग प्रतियोगिता में जीता कांस्य

**एजेंसी**

**झांसी।** कहते हैं प्रतिभा किसी परिचय का मोहताज नहीं होती। उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव मडोरा खुर्द (तहसील मोंठ, झांसी) के रहने वाले 16 वर्षीय रामकांत ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने हाल ही में मुम्बई में आयोजित नेशनल सेलिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया है, जिससे उनके गांव और पूरे जिले का नाम रोशन हुआ है।

रामकांत ने 3 से 10 मई तक मुम्बई के एचबीटीसी मार्वे में आयोजित यूथ नेशनल सेलिंग प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में पूरे देश से कुल 31 युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। आठ रोमांचक रेस के दौरान रामकांत ने आईएलसीए 4 बोट क्लास में बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल कर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की। वर्तमान में रामकांत गोवा नेवी बॉयज़ स्पोर्ट्स कंपनी में नियमित रूप से सेलिंग का अभ्यास कर रहे हैं और इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। महज 16 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर

पदक जीतना उनकी कड़ी मेहनत, अटूट लगन और प्रतिभा का जीता-जागता उदाहरण है। रामकांत की इस शानदार सफलता से उनके परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं उनके गांव मडोरा खुर्द और पूरे झांसी जिले में गर्व की लहर दौड़ गई है। ग्राम प्रधान सहित सभी गांववासियों ने रामकांत को इस उपलब्धि पर बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

# नॉर्वे चेस में समान इनामी राशि से महिलाओं को खेल अपनाने की प्रेरणा मिलती है: जू वेनजून

**एजेंसी**

**स्टावेंगर (नॉर्वे)।** नॉर्वे चेस वूमेन 2025 टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण को लेकर मौजूदा चैंपियन जू वेनजून ने अपनी उत्सुकता और उम्मीदें साझा की हैं। यह टूर्नामेंट 26 मई से 6 जून के बीच स्टावेंगर सिटी के फिनान्सपार्कन (एसआर-बैंक) में आयोजित होगा।चीनी ग्रैंडमास्टर जू वेनजून ने कहा, मैं नॉर्वे चेस वूमेन 2025 में हिस्सा लेने को लेकर बहुत रोमांचित हूं। यह मेरा इस टूर्नामेंट में दूसरा अनुभव होगा। इस बार कई मजबूत शतरंज खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं। मुझे लगता है कि अब लोग अर्मागेडन और टाइम कंट्रोल फॉर्मेट से ज्यादा परिचित हैं, जिससे टूर्नामेंट और भी रोमांचक होगा।जू वेनजून, जिन्हें मौजूदा समय में शतरंज की निर्विवाद महारानी कहा जाता है, इस साल की शुरुआत में अपना लगातार पांचवां वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीत चुकी हैं। उन्होंने सात साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू किया, 2004 में प्रोफेशनल बनीं, 2014 में ग्रैंडमास्टर की उपाधि पाई और 2018 में पहली बार विश्व चैंपियन बनीं। तब से लेकर अब तक वह महिलाओं की क्लासिकल शतरंज में अजेय रही हैं। वह वर्तमान वूमेन्स वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियन भी हैं और दो बार की वर्ल्ड रैपिड चैंपियन भी।

अपनी यात्रा को याद करते हुए 34 वर्षीय वेनजून ने कहा, हर मुकाबला मेरे लिए एक यादगार और अनोखा अनुभव होता है। मेरा मानना है कि हर खेल को एक-एक कर फोकस के साथ खेलना चाहिए, कड़ी मेहनत करनी चाहिए और टीमवर्क जरूरी है। जब मैं खेल रही होती हूं, तो सबसे अच्छा होता है सिर्फ शतरंज पर ध्यान देना और मैच का आनंद लेना।

पिछले साल जू वेनजून ने नॉर्वे चेस वूमेन के पहले संस्करण का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया था। यह टूर्नामेंट महिलाओं के लिए समान इनामी राशि देने वाला पहला टूर्नामेंट बना, जिससे शतरंज के भविष्य की दिशा में एक अहम कदम माना गया। वेनजून ने टूर्नामेंट आयोजकों की सराहना करते हुए कहा, मुझे लगता है कि यह एक बड़ी सफलता है और बेहद प्रेरणादायक भी सिर्फ शतरंज में ही नहीं, बल्कि पूरे खेल जगत में महिलाओं के लिए। यह महिलाओं को शतरंज अपनाने के लिए प्रेरित करता है और हमारे लिए एक शानदार मंच प्रदान करता है। शतरंज के अलावा वेनजून को टेबल टेनिस खेलना और देखना पसंद है। वह अपने देश के टेबल टेनिस वर्ल्ड और ओलंपिक चैंपियन फैन झेंडोंग से प्रेरणा लेती हैं। नॉर्वे में खेलने के साथ-साथ वह घूमने-फिरने का भी प्लान बना रही हैं और उन्होंने इस बार के मुकाबले के लेवल को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, शायद खिताब बचाने का थोड़ा दबाव जरूर रहेगा, लेकिन कुल मिलाकर मैं स्टावेंगर में खेलने और इस अनुभव का आनंद लेने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

# कार्लो एंसेलोटी बने ब्राज़ील फुटबॉल टीम के नए कोच, मई के अंत में छोड़ेंगे रियल मैड्रिड

**जेंसी**

**नई दिल्ली।** इटली के दिग्गज फुटबॉल मैनेजर कार्लो एंसेलोटी अब ब्राज़ील पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम की कमान संभालेंगे। ब्राज़ील फुटबॉल संघ (सीबीएफ) ने यह घोषणा की। एंसेलोटी इस सीजन के अंत में रियल मैड्रिड छोड़ देंगे और जून से ब्राज़ील के कोच के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

**ब्राज़ील फुटबॉल संघ ने की पुष्टि**

सीबीएफ के अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स ने एक बयान में कहा, कार्लो एंसेलोटी को ब्राज़ील लाना सिर्फ एक रणनीतिक कदम नहीं है, बल्कि यह दुनिया को यह दिखाने का ऐलान है कि हम फिर से शीर्ष पर लौटने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, वह इतिहास के सबसे महान कोच हैं और अब वह दुनिया की सबसे महान राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करेंगे। हम साथ मिलकर ब्राज़ीलियाई फुटबॉल का एक और स्वर्णिम अध्याय लिखेंगे।

**रियल मैड्रिड में शानदार लेकिन बिना ट्रॉफी का आखिरी सीजन**

एंसेलोटी रियल मैड्रिड के सबसे सफल

मैनेजर रहे हैं। उनके नेतृत्व में क्लब ने अब तक 15 खिताब जीते, लेकिन 2024-25 का सीजन वह बिना किसी ट्रॉफी के समाप्त करेंगे।

**ब्राज़ील में होगी पहली जिम्मेदारी वर्ल्ड कप क्वालीफायर**

एंसेलोटी ब्राज़ील के पहले विदेशी कोच बनेंगे। वह डोरिवाल जूनियर की जगह लेंगे, जिन्हें अर्जेंटीना से 4-1 की हार के बाद मार्च में बर्खास्त कर दिया गया था। एंसेलोटी की पहली चुनौती अगले महीने वर्ल्ड कप क्वालीफायर में इक्वाडोर और पराग्वे के खिलाफ मुकाबले होंगे। मुश्किल में ब्राज़ील, नेमार की फॉर्म चिंता का विषयब्राज़ील फिलहाल 14 मैचों के बाद वर्ल्ड कप क्वालीफाइंग में चौथे स्थान पर है। टीम के स्टार खिलाड़ी नेमार अभी तक 2023 में एसीएल चोट के बाद से फॉर्म में वापसी नहीं कर पाए हैं। हालांकि, दक्षिण अमेरिका से शीर्ष छह टीमें सीधे 2026 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेंगी। एंसेलोटी की नियुक्ति से ब्राज़ील को एक बार फिर विश्व फुटबॉल में अपना दबदबा स्थापित करने की उम्मीद है।

# मध्यप्रदेश 24 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर

**एजेंसी**

**भोपाल।** बिहार में 4 से 15 मई तक खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी खेल का शानदार प्रदर्शन कर रहें है। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश 9 स्वर्ण, 5 रजत और 10 कांस्य सहित कुल 24 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है।आज मध्यप्रदेश टीम ने वेटलिफ्टिंग, योग, एथेलेटिक्स (पोल वॉल्ट), एथेलेटिक्स (3000 मी.) में बेहतर खेल प्रदर्शन कर 01-01 कांस्य सहित कुल 04 पदक अर्जित किये। प्रतियोगिता में आज म.प्र. के खिलाड़ियों द्वारा खेले गये मुकाबलों में अर्जित पदकों में वेटलिफ्टिंग में हिमांशु कुशवाह ने 73 किग्रा. पुरूष वर्ग में स्नैच में 115 कि.ग्रा और क्लीन एण्ड जर्क 140 कि.ग्रा. सहित कुल 255 कि.ग्रा. भार उठाकर कांस्य पदक प्राप्त किया। योगासन में रिया ने टेडिशनल योगासन इवेन्ट में 60.58 अंक प्राप्त कर कांस्य पदक अपने नाम किया। पोल वॉल्ट में आशीष कुमार यादव ने एथेलेटिक्स (पोल वॉल्ट) में 4.10 मी. छ्लांग लगाकर कांस्य पदक अर्जित किया।

एथेलेटिक्स (3000 मी.) में श्रृष्टि ने महिला वर्ग के 3000 मी. इवेन्ट में 10:29.50 का समय लेकर कांस्य पदक प्राप्त किया। कल एथेलेटिक्स, बॉक्सिंग, फेंसिंग, वेटलिफ्टिंग, कलरिपयट्टू, योगासन, कुश्ती, थांग-ता और हॉकी के मुकाबले खेले जायेंगे।

# एफआईएच प्रो लीग 2024-25: यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** हॉकी इंडिया ने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह चरण 14 से 29 जून तक लंदन, एंटवर्प और बर्लिन में आयोजित होगा, जिसमें भारत चार प्रतिभागी टीमों– ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगा। भारत अपना अभियान 14 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से शुरू करेगा। टीम की कमान मिडफील्ड की स्टार खिलाड़ी सलीमा टेटे को सौंपी गई है, जबकि फॉरवर्ड लाइन की अनुभवी खिलाड़ी नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है। भारतीय टीम ने प्रो लीग के घरेलू चरण में दो जीत और दो ड्रॉ के साथ कुल नौ अंक हासिल किए और अंकतालिका में छठे स्थान पर रही। इंग्लैंड के खिलाफ 3-2 की जीत और एक ड्रॉ से शानदार शुरुआत की, लेकिन इसके बाद स्पेन से दो और

जर्मनी से एक हार मिली। हालांकि, जर्मनी के खिलाफ 1-0 की वापसी जीत ने टीम का मनोबल बढ़ाया। विश्व की नंबर 1 टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ अंतिम दो मैचों में भारत ने दमदार जज्बा दिखाया। पहले मुकाबले में भले ही 2-4 से हार मिली, लेकिन भारत ने 13 पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर डच टीम को कड़ी टक्कर दी। आखिरी मैच में भारत ने नीदरलैंड्स को 2-2 से ड्रॉ पर रोका और शूटआउट में जीत हासिल कर बोनस अंक भी अर्जित किया। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमने अनुभव और युवा जोश का संतुलन साधते हुए यह टीम चुनी है। यूरोपीय चरण प्रो लीग का अहम हिस्सा है और यहां दुनिया की टॉप टीमों से कड़ी चुनौती मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, भुवनेश्वर में हुए मुकाबलों से हमें अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन करने का मौका मिला है। टीम ने हालिया कैंप और ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बेहतरीन प्रतिबद्धता दिखाई है। अब लक्ष्य यही है कि हर मैच में खुद को बेहतर करते हुए टीम को आगे बढ़ाएं।

**24 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:**

गोलकीपर: सविता, बिचू देवी खारिबम।

डिफेंडर्स: सुशीला चानू पुखरंबम, ज्योति, सुमन देवी थौडम, ज्योति सिंह, ईशिका चौधरी, ज्योति छेत्री,

मिडफील्डर्स: वैष्णवी विट्ठल फालके, सुजाता कुजुर, मनीषा चौहान, नेहा।

मिडफील्डर: सलीमा टेटे (कप्तान), लालरेमसिआमी, शर्मिला देवी, सुनेलीता टोप्पो, महिमा टेटे।

फॉरवर्ड:दीपिका, नवनीत कौर (उपकप्तान), दीपिका सोरेन, बलजीत कौर, रुतुजा दडासो पिसाल, ब्यूटी डुंगडुंग, साक्षी राणा।

स्टैंडबाय खिलाड़ी: बंसरि सोलंकी (गोलकीपर), अजमीना कुजुर (डिफेंडर)।

## छत्तीसगढ़ के युवाओं ने कलारीपयट्टू में जीता स्वर्ण पदकें

**गया (बिहार)।** खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में अर्जुन कुमार चंद्रा और अनंत स्वर्णकार ने पारंपरिक भारतीय मार्शल आर्ट (कलारीपयट्टू) प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के लिए स्वर्ण पदक जीता। आज यहां आईआईएम स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में हुई कलारीपयट्टू प्रतियोगिता में अर्जुन कुमार चंद्रा और अनंत स्वर्णकार ने कलारीपयट्टू में अकल्पनीय प्रदर्शन किया। झारखंड के खिलाड़ियों की सहज गति, नियंत्रण और अभिव्यक्ति ने उन्हें फाइनल में दिल्ली और केरल से अधिक अंक दिलाए। स्वर्ण पदक जीतने के बसाद अर्जुन कुमार चंद्रा ने कहा, ÷हमने कड़ी मेहनत की और पदक की उम्मीद की। लेकिन हमें विश्वास नहीं था कि हम स्वर्ण पदक जीत पाएंगे। किसी भी चीज से अधिक, हमें इस बात की खुशी है कि हम स्वर्ण पदक जीतकर अपनी बात साबित कर पाए।

# टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद संत प्रेमानंद से मिले विराट कोहली, साथ में दिखीं पत्नी अनुष्का

**एजेंसी**

**मथुरा।** टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा मंगलवार सुबह वृंदावन पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीराधे हित केली कुंज आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज से भेंट की। इस दौरान दोनों ने संत महाराज से आशीर्वाद लिया और आध्यात्मिक चर्चा में भाग लिया। संन्यास के बाद यह उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति मानी जा रही है। संन्यास के बाद सीधे आध्यात्मिक शांति की तलाश में वह वृंदावन पहुंचे।

विराट ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान किया था। उन्होंने एक भावुक पोस्ट के जरिये अपने 14 साल के टेस्ट करियर पर विराम लगाने की पुष्टि की थी। विराट ने कहा था कि उन्होंने इस प्रारूप से काफी सबक लिया है। विराट टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले ही संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे में खेलते दिखाई पड़ेंगे।

विराट आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम का भी हिस्सा हैं और कुछ दिनों बाद वह आरसीबी टीम से जुड़ जाएंगे और पहली बार टीम को चैंपियन बनाने की कोशिश करेंगे। कोहली और अनुष्का ने संत प्रेमानंद के आश्रम में साढ़े तीन घंटे से भी ज्यादा समय बिताया। दोनों सुबह करीब छह बजे आश्रम पहुंचे और करीब साढ़े नौ बजे वहां से निकल गए। यह पहली बार नहीं है जब विराट संत प्रेमानंद से मिलने पहुंचे हैं। वह इससे पहले जनवरी 2023 में इसी साल जनवरी में भी मिलने पहुंचे थे। अब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने संत प्रेमानंद से गहन चर्चा की। इस दौरान विराट ने पूछा कि असफलता से कैसे बाहर निकला जाए? इस पर प्रेमानंद ने कहा कि अभ्यास करना जारी रखें।

# आईपीएल 2025 का बदला हुआ शेड्यूल जारी:17 मई से फिर शुरू होगा टूर्नामेंट, 3 जून को फाइनल

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार देर रात इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया। टूर्नामेंट अब 17 मई से दोबारा शुरू होगा और फाइनल मुकाबला 3 जून को खेला जाएगा। आईपीएल को भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बढ़ते तनाव के कारण 9 मई को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब बाकी बचे 17 मुकाबले बेंगलुरु, जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। प्लेऑफ के स्थानों की घोषणा बाद में की जाएगी।

**इन तारीखों पर होंगे प्लेऑफ मुकाबले**

प्लेऑफ के चार मुकाबलों की तारीखें तय कर दी गई हैं:-

क्वालिफायर 1:29 मई

एलिमिनेटर:30 मई

क्वालिफायर 2:1 जून

फाइनल: 3 जून

टूर्नामेंट के दोबारा शुरू होने के बाद कुल 17 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें दो डबल हेडर (रविवार को) होंगे। कुल मिलाकर 13 लीग मुकाबले और 4 प्लेऑफ मैच बाकी हैं।

**आरसीबी और केकेआर के बीच 17 मई को होगा पहला मुकाबला**

आईपीएल के फिर शुरू होने के साथ पहला मुकाबला 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। वहीं 8 मई को धर्मशाला में अधूरा छोड़ा गया पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का मुकाबला अब 24 मई को जयपुर में होगा, जो पंजाब का अस्थायी होम ग्राउंड होगा। पंजाब को 26 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ भी जयपुर में ही खेलना होगा। पहले यह मैच धर्मशाला में होना था।

**रविवार के डबल हेडर्स में होंगे ये मुकाबले**

18 मई (रविवार):

दोपहर 3:30 बजे: राजस्थान रॉयल्स बनाम पंजाब किंग्स

शाम 7:30 बजे: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात टाइटंस

25 मई (रविवार):

दोपहर 3:30 बजे: गुजरात टाइटंस बनाम चेन्नई सुपर किंग्स

शाम 7:30 बजः सनराइजर्स हैदराबाद बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स

लीग चरण का अंतिम मुकाबला 27 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और आरसीबी के बीच लखनऊ में खेला जाएगा।

**घरेलू मैदान से वंचित रह जाएंगी ये टीमें**

शेड्यूल में बदलाव के चलते तीन टीमें–पंजाब, चेन्नई और हैदराबाद–अब अपने होम ग्राउंड पर कोई मुकाबला नहीं खेल पाएंगी। हालांकि चेन्नई और हैदराबाद पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुके हैं, लेकिन पंजाब को यह बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि वे 11 मैचों में 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे।

**विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता बनी चुनौती**

आईपीएल का फाइनल अब 3 जून को खेला जाएगा, जो इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच 29 मई से शुरू हो रही एकदिनी सीरीज के साथ टकराएगा। इससे वेस्टइंडीज के खिलाड़ी रोमारियो शेफर्ड (आरसीबी), शामार जोसेफ (एलएसजी) और शेरफेन रदरफोर्ड (गुजरात) आईपीएल प्लेऑफ से बाहर हो सकते हैं।

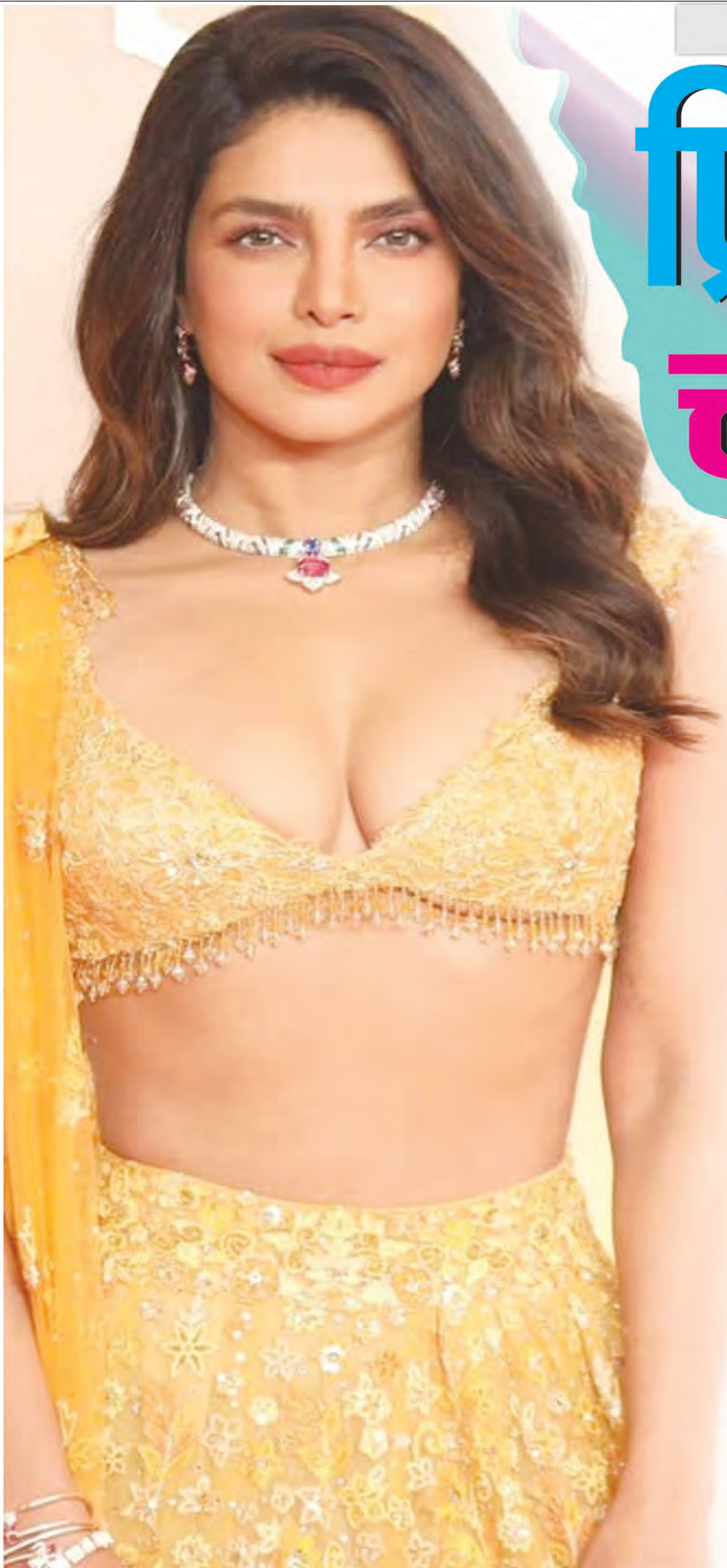

### पति अक्षय के साथ

# प्रियंका चोपड़ा

## की करीबी से आग बबूला हो गई थीं ट्विंकल, एक्ट्रेस को सबक सिखाने सेट पर पहुंच गई थीं

बॉलीवुड के कई एक्टर्स ने शादीशुदा होते हुए भी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स चलाए हैं. हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार अक्षय कुमार का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है. शादी से पहले अक्षय के कई अफेयर रहे हैं. हालांकि शादी के बाद भी अक्षय बहक गए थे. उनका दिल मशहूर एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा पर आ गया था.अक्षय कुमार ने प्रियंका चोपड़ा के साथ कई फिल्मों में काम किया है. दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया है. हालांकि साथ काम करने के दौरान दोनों के बीच अफेयर की शुरुआत हो गई थी. दोनों के अफेयर के किस्से सुर्खियों में थे तब ट्विंकल खन्ना को बड़ा झटका लगा था. जब अक्षय और प्रियंका किसी फिल्म की शूटिंग कर रहे थे तब प्रियंका को सबक सिखाने के लिए ट्विंकल सेट पर पहुंच गई थीं और उन्होंने अक्षय कुमार को भी जमकर खरी खोटी सुनाई थी.

**सुर्खियों में रहा अक्षय-प्रियंका का अफेयर**

प्रियंका ने साल 2003 में आई फिल्म 'द हीरो-लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई' से बॉलीवुड डेब्यू किया था. इसके एक महीने बाद ही उनकी फिल्म 'अंदाज' रिलीज हुई थी, जिसमें वो अक्षय कुमार के अपोजिट थीं. इस फिल्म के बाद दोनों के अफेयर को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई थी. 'अंदाज' के बाद दोनों 'मुझसे शादी करोगी', 'ऐतराज' और 'वक्त: रेस अगेंस्ट टाइम' में भी साथ नजर आए थे.

**प्रियंका को पीटने सेट पर आ गई थीं ट्विंकल**

एक के बाद एक फिल्में करने के चलते प्रियंका और अक्षय का रिश्ता समय के साथ गहरा होते चला गया. दूसरी ओर इससे ट्विंकल की निजी जिंदगी में उथल-पुथल मचने लगी थी. पहले ट्विंकल ने अपने पति अक्षय कुमार को सख्त लहजे में समझाया. इसके बाद उन्होंने प्रियंका को कॉल करके इस मुद्दे पर बात की. एबीपी न्यूज के मुताबबिक इस दौरान दोनों का झगड़ा हो गया. वहीं अक्षय और प्रियंका जब 'वक्त' की शूटिंग कर रहे थे तब अचानक एक दिन ट्विंकल, प्रियंका को पीटने के लिए सेट पर पहुंच गई थीं. लेकिन गनीमत रही कि उस समय प्रियंका सेट पर मौजूद नहीं थीं. इसके बाद ट्विंकल ने सेट पर ही सबके सामने अक्षय को जमकर खरी खोटी सुनाई. दोनों के बीच काफी देर तक बहस हुई थी.

**अक्षय ने खाई प्रियंका संग काम न करने की कसम**

इस घटना के बाद अक्षय कुमार ने प्रियंका चोपड़ा के साथ काम न करने की कसम खा ली थी. इसी के साथ दोनों के रिश्ते का अंत हो गया था. 'वक्त' साल 2005 में रिलीज हुई थी और इसके जरिए अक्षय, प्रियंका ने आखिरी बार स्क्रीन शेयर किया था.

## गोविंदा किसी बेवकूफ महिला के लिए...तलाक की खबरों पर पत्नी सुनीता ने खोला बड़ा राज

बीते कुछ समय से सुपरस्टार गोविंदा और सुनीता आहूजा का रिश्ता चर्चाओं में बना हुआ है. आए दिन दोनों के तलाक की खबरें तूल पकड़ती हैं. लेकिन गोविंदा की पत्नी सुनीता लगातार इस तरह की खबरों को नकारती रही हैं. वहीं अब एक बार फिर से उन्होंने इस मुद्दे पर बात की है और साफ-साफ कहा है कि गोविंदा और मैं एक दूसरे से अलग नहीं रह सकते हैं. लेकिन इसी के साथ सुनीता ने ये भी कहा कि वो बीते 12 साल से अपने बर्थडे पर अकेली ही बाहर चली जाती हैं.

**तलाक की अफवाहों पर सुनीता की दो टूक**

सुनीता आहूजा ने हाल ही में जूम को एक इंटरव्यू दिया. इस दौरान उन्होंने लंबे समय से चल रही तलाक की अफवाहों पर लोगों को करारा जवाब दिया. सुनीता ने कहा, जिस दिन कन्फर्म होगा, या तो मेरे या गोविंदा के मुंह से आप लोग सुनोगे, वो अलग बात है. लेकिन मुझे नहीं लगता कि गोविंदा मेरे बिना रह सकता है और न ही मैं गोविंदा के बिना रह सकती हूं और गोविंदा किसी बेवकूफ व्यक्ति या बेवकूफ महिला के लिए कभी भी अपना परिवार नहीं छोड़ सकता.

**भगवान मेरा घर कभी नहीं तोड़ेगा**

सुनीता ने आगे कहा, अफवाह, अफवाह, अफवाह, आप पहले पूछो तो ये बात सही है. मैं इसे कभी स्वीकार नहीं करूंगी और किसी की हिम्मत है तो मेरे सामने आकर पूछो. किसी ने अफवाह उड़ा दिया तो आप हां में हां मिला रहे हो, ये सही नहीं है. अगर होगा तो मैं मीडिया में आकर इस बारे में बोलने वाली पहली व्यक्ति होऊंगी. लेकिन मुझे विश्वास है कि भगवान मेरा घर कभी नहीं तोड़ेगा.

**12 साल से इस तरह बर्थडे मना रहीं हैं सुनीता**

सुनीता ने मदर्स डे (11 मई) के खास मौके पर महिला सशक्तिकरण को लेकर भी बात की और खुद से जुड़ा एक बड़ा राज भी खोल दिया. गोविंदा की पत्नी ने कहा, एक औरत को अपने लिए 4 दिन निकाल के अकेले बाहर जाना बहुत जरूरी होता है. आज 12 साल से मैं अपने जन्मदिन पर अकेली चली जाती हूं, क्योंकि मुझे अपने आपको समय देना है. मैं अकेले बैठ कर प्रकृति से बात करती हूं.

## इधर 1800 करोड़ी एक्ट्रेस ने काटा जान्हवी कपूर का पत्ता! उधर फिल्म पर हो गया बड़ा फैसला

करण जौहर और कार्तिक आर्यन जल्द दो बड़े प्रोजेक्ट में साथ दिखने वाले हैं. जहां पहले 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' आएगी, तो उसके बाद 'नागजिला' को सिनेमाघरों में उतारा जाएगा. दोनों ही फिल्मों से पहले कार्तिक और करण जौहर की एक पुरानी फिल्म चर्चा में आ गई है, जिसमें वो काम करने वाले थे, पर बंद हो गई थी. 4 साल के बाद Dostana 2 पर फिर से काम किया जा रहा है. इस बार एकदम फ्रेश कास्ट के साथ शुरुआत की गई है. लेकिन मेकर्स ने इसी बीच बहुत बड़ा फैसला कर लिया है.

हाल ही में पीपिंगमून पर एक खबर छपी. इससे पता लगा कि धर्मा प्रोडक्शन वाले फिल्म को थिएटर्स नहीं, बल्कि सीधा ओटीटी पर लाने की प्लानिंग कर रहे हैं. साथ ही इस नई कास्ट में लक्ष्य और विक्रांत मैसी के साथ जान्हवी कपूर नहीं होंगी. दरअसल उनकी जगह 1800 करोड़ छापने वाली एक्ट्रेस की एंट्री होने की खबरें हैं.

**जान्हवी नहीं, तो फिल्म में कौन होगी ?**

हाल ही में खबर आई कि दोस्ताना पार्ट 2 में जान्हवी कपूर की जगह श्रीलीला की एंट्री हो गई है. दरअसल वो पहले ही कार्तिक आर्यन की एक फिल्म में काम कर रही हैं. वहीं 1800 करोड़ से ज्यादा छापने वाली 'पुष्पा 2' के बाद से ही चर्चा में हैं. कई फिल्मों के लिए उनसे चर्चा चल रही है. कहा जा रहा है कि जान्हवी की जगह वो ही फिल्म में होंगी. लेकिन फिलहाल मेकर्स की तरफ से कोई भी अनाउंसमेंट नहीं की गई है.

**किस OTT पर आएगी 'दोस्ताना 2'?**

नई रिपोर्ट के मुताबिक, धर्मा प्रोडक्शन वाले फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर लाने की प्लानिंग कर रहे हैं. इसे डिजिटल फिल्म के तौर पर ही बनाया जा रहा है. हालांकि, विक्रांत मैसी और लक्ष्य पहले ही अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर बिजी चल रहे हैं. जहां विक्रांत का नाम- Sri Sri Ravi Shankar की बायोपिक और 'डॉन 3' से जुड़ रहा है. तो लक्ष्य के खाते में भी कुछ फिल्में हैं. वहीं बात जान्हवी कपूर की करें, तो वो करण जौहर की पुरानी कास्ट का हिस्सा थीं, लेकिन उम्मीद थी कि फिल्म के दोबारा शुरू होने के बाद भी होंगी. लेकिन नई रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि श्रीलीला ने बाजी मार ली है.

### ब्रह्मोस की ताकत... सुहागरात वाले कमेंट पर भड़कीं

# दिशा पाटनी

## की बहन, पाकिस्तानियों की बोलती बंद करने वाला जवाब

भारत और पाकिस्तान के बीच कई दिनों के संघर्ष के बाद 10 मई को सीजफायर का ऐलान किया गया. पर हर बार की तरह पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा. भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक बार फिर दिशा पाटनी की रिटायर्ड मेजर बहन खुशबू पाटनी ने बात की है. सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस का स्वाद तो पाकिस्तानियों से पूछ लो. हालांकि, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तानियों के सुहागरात वाले कमेंट पर भी उन्होंने तीखा हमला बोला है.उन्होंने अपने लेटेस्ट वीडियो पर कैप्शन लिखा कि- हवा से तेज खबर लाती हूं. वो कहती दिखी कि क्या गेम खेला हैज् खुशबू पाटनी ने पाकिस्तान वालों को भी जवाब दिया है. साथ ही सीजफायर और ब्रह्मोस की ताकत पर भी बात की है.

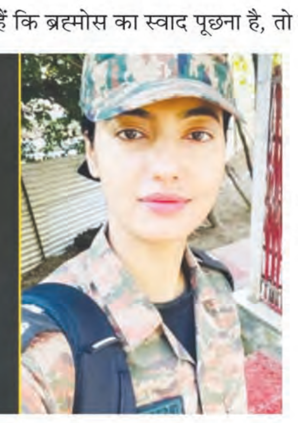

**खुशबू पाटनी ने क्या जवाब दिया ?**

खुशबू पाटनी ने वीडियो शेयर कर कहा कि, आप लोगों ने ब्रह्मोस के बारे में सुन ली होगी. पर क्या गेम खेला हैज् ऑपरेशन सिंदूर के बाद बहुत सारी पाकिस्तानी जनता बोल रही थी कि ऑपरेशन सुहागरात होगा. तो भई इंडिया ने सुहागरात मना ली है और कल सुहागरात में जो दूध और हल्दी जाता है, वो ब्रह्मोस के रूप में वहां पहुंच चुका है.वहीं उन्होंने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के स्टेटमेंट के बारे में भी बताया.

वो कहते हैं कि ब्रह्मोस का स्वाद पूछना है, तो पाकिस्तान से पूछो. वो आगे कहती हैं कि पहली बार इंडिया ने ब्रह्मोस को लॉन्च किया है. मजा आ गया. मुझे उम्मीद है कि पाकिस्तान को दूध और हल्दी अच्छी लगी हो.

**आर्मी में रह चुकी हैं खुशबू पाटनी**

दरअसल दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी आर्मी में रह चुकी हैं. वो मेजर थीं, जब सेना से रिटायरमेंट ले लिया था. ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहीं. इस दौरान उन्होंने लोगों को मॉक ड्रिल को लेकर भी जानकारी दी. साथ ही पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देते हुए खुशबू पाटनी ने भारत के लोगों को हर एक अपडेट भी दिया. वो इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्हें 1.6 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. खुशबू पाटनी फिटनेस कोच के साथ ही काउंसलर भी हैं.

# 70 देशों के रक्षा प्रतिनिधि को दी ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी

## कई इस्लामी देशों के रक्षा प्रतिनिधियों को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया

नई दिल्ली

भारत पाकिस्तान संघर्ष विराम के बाद ऑपरेशन सिंदूर खासा चर्चा में है। भारतीय सेना के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को कई देशों के रक्षा प्रतिनिधियों को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। सैन्य अधिकारी ने 70 देशों के रक्षा प्रतिनिधियों के सामने पाकिस्तान के झूठ की खूब पोल खोली। दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में रक्षा खुफिया एजेंसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डीएस राणा ने कई अंतरराष्ट्रीय समूहों का हिस्सा रहे कई प्रमुख देशों के रक्षा प्रतिनिधि और कई इस्लामी देशों के रक्षा प्रतिनिधियों को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया। इस ब्रीफिंग में स्वीडन, नेपाल, फिलीपींस, मिस्त्र तथा अन्य देशों के रक्षा प्रतिनिधि भी शामिल हुए। एकीकृत रक्षा मुख्यालय ने एक्स पर लिखा कि रक्षा खुफिया एजेंसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डीएस राणा ने 70 देशों के विदेश सेवा प्रतिनिधियों को ऑपरेशन सिंदूर के सफल संचालन के बारे में जानकारी दी। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत-पाकिस्तान संबंधों में नए नॉर्मल स्थापित किए हैं। साथ ही नए युग के युद्ध में सैन्य श्रेष्ठता के माध्यम से भारत की प्रदर्शित शक्ति और राष्ट्रीय संकल्प को उजागर किया है। अधिकारियों ने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल राणा ने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए बनाई गई योजना के बारे में विस्तार

से बताया। उन्होंने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा घोषित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए गहन बहु-क्षेत्रीय अभियानों के माध्यम से की गई एकीकृत, सटीक और त्वरित प्रतिक्रिया पर भी प्रकाश डाला गया। उन्होंने एक्स पर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में संयुक्तता और एकीकरण के माध्यम से प्राप्त समन्वित बल अनुप्रयोग को स्वदेशी गतिज बल गुणकों की प्रदर्शित युद्ध प्रभावशीलता के साथ विदेशी रक्षा प्रतिनिधियों के बारे में बताया गया। जबकि अंतरिक्ष, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के गैर-गतिज क्षेत्रों में भारतीय सशस्त्र बलों की तकनीकी श्रेष्ठता भी बताई गई।

डीआईए के महानिदेशक ने कहा कि प्रतिद्वंद्वी द्वारा चलाए जा रहे निरंतर भारत विरोधी गलत सूचना अभियान और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता पर इसके प्रभाव का विश्वसनीय रिकॉर्ड भी प्रस्तुत किया। हमारे सम्पूर्ण राष्ट्र के दृष्टिकोण के तौर-तरीकों पर भी प्रकाश डाला गया, इससे पाकिस्तान के झूठ का पर्दाफाश हुआ।

एक रक्षा प्रतिनिधियों ने कहा कि पिछले कई दिनों में जो कुछ हुआ है, उसके बारे में सीधे भारतीय सैन्य पक्ष से जानकारी प्राप्त करना अच्छा था।

## पंजाब में ड्रोन हमले में घायल महिला की मौत

चंडीगढ़

भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान पिछले दिनों पंजाब के फिरोजपुर में ड्रोन हमले से घायल महिला की सोमवार देररात लुधियाना के अस्पताल में मौत हो गई। जिला प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन ने महिला के परिजनों को सूचित कर दिया है। फिरोजपुर जिला प्रशासन को भी इसकी जानकारी दी गई है। फिरोजपुर के गांव खाई में नौ मई को ड्रोन गिरने से सुखविंदर कौर घायल हो गई थी। हालत गंभीर होने के चलते उन्हें लुधियाना स्थित दयानंद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। यहां उपचार के दौरान सोमवार देररात उनकी मौत हो गई। दयानंद मेडिकल कॉलेज में अभी फिरोजपुर निवासी लखविंदर सिंह और सोनू का इलाज चल रहा है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार दोनों की हालत स्थिर है।

## व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका जाएंगे पीयूष गोयल

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 16 मई को वाशिंगटन के दौरे पर जाएंगे, जहां वे दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अमेरिकी अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय वार्ता का नेतृत्व करेंगे। यह कदम भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को दी गई जानकारी में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों का एक दल प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ 17 मई से वाशिंगटन में चर्चा करेगा। इस बैठक में भाग लेने के लिए पीयूष गोयल 16 मई को वाशिंगटन पहुंचेंगे। जानकारी के मुताबिक अपनी यात्रा के दौरान पीयूष गोयल के अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर और अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के साथ बैठक करने की उम्मीद है। इस्पात और एल्युमीनियम पर अमेरिकी शुल्क के विरोध में कुछ अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने के भारत के प्रस्ताव पर भी बातचीत होगी। इन चचाओं के जरिए भारत और अमेरिका के अधिकारी उच्च शुल्क पर लगी 90 दिनों की रोक के

## इंदिरा गांधी जीवित होतीं तो पूछता क्यों नहीं लिया पीओके : सीएम हिमंत सरमा

ॅगुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर इंदिरा गांधी आज जीवित होतीं तो मैं उनसे पूछते कि 1971 की जीत के बाद उन्होंने पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) क्यों नहीं लिया और शिमला समझौते में भारत के पक्ष में और मजबूत फैसले क्यों नहीं किए। बता दें कि पत्रकारों से बातचीत के दौरान सीएम सरमा ने कहा कि हमारी सेना ने 1971 की जंग जीत ली थी। अगर इंदिरा गांधी जिंदा होतीं, तो मैं उनसे पूछता कि आपने पाकिस्तान को एक इस्लामिक राष्ट्र बनने क्यों दिया?

## मोदी सरकार ने गंवा दिया सावरकर के सपने को पूरा करने का मौका': शिवसेना

मुंबई

**पार्टी ने** अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में कहा कि अगर यह सैन्य कार्रवाई चार दिन और जारी रहती तो भारतीय सशस्त्र बल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके), कराची, लाहौर पर कब्जा कर लेती, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खेल बिगाड़ दिया।

**'सावरकर ने देखा था अविभाजित भारत का सपना'**

अखबार ने कहा कि सैन्य कार्रवाई रोकने से पहले भआरत को कम से कम पीओके को वापस लेना चाहिए था और बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग कर देना चाहिए था। सावरकर ने पीओके से रामेश्वरम और सिंध से असम तक फैले अविभाजित भारत का सपना देखा था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने सावरकर के अखंड भारत के सपने को साकार करने का मौका गंवा दिया।

**'पीएम मोदी को सावरकर के नाम पर राजनीति करने का अधिकारी नहीं''**

संपादकीय में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी को अब सावरकर के नाम पर राजनीति करने का अधिकार नहीं है। पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एकनाथ शिंद के नेतृत्व वाली शिवसेना सभी अखंड भारत के समर्थक हैं, लेकिन जब सपने को साकार करने का समय आया तो वे पीछे हट गए।

**पूर्ण युद्ध के कगार पर पहुंच गए थे दोनों देश**

भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई। चार दिनों तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद दोनों देश पूर्ण स्तर के युद्ध के कगार पर पहुंच गए थे। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट से सबको हैरान किया। इसमें उन्होंने दावा किया था कि दोनों पक्षों के बीच अमेरिका ने मध्यस्थता की है।

## चुनाव आयोग ने सुलझाई 20 साल पुरानी समान एपिक नंबरों की समस्या

नई दिल्ली

चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मतदाता सूची को ठीक और अपडेट रखने के अपने प्रयासों के तहत पिछले लगभग 20 वर्षों से लंबित एपिक (मतदाता फोटो पहचान पत्र) नंबरों से जुड़ी जटिल समस्या का समाधान कर लिया है। गलती से अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में वैध मतदाताओं को एक जैसे एपिक नम्बर जारी हो गए थे। आयोग के सूत्रों के अनुसार 2005 से एपिक नम्बर के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा क्षेत्रों के आधार पर अलग-अलग ह्यअल्फान्यूमेरिकह्ल सीरीज इस्तेमाल

की जा रही थीं। 2008 में परिसीमन के बाद इन सीरीज को बदला गया। हालांकि कुछ क्षेत्रों में पुराने सीरीज या टाइपो में त्रुटियों के कारण गलत सीरीज का उपयोग होता रहा। जमीनी स्तर पर सत्यापन में यह स्पष्ट हुआ कि समान एपिक नंबर वाले सभी मतदाता अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों और मतदान केंद्रों के वैध और वास्तविक मतदाता थे। अब सभी ऐसे मतदाताओं को नए एपिक नंबर के साथ नए पहचान पत्र जारी कर दिए गए हैं।

## चुनाव आयोग का राजनीतिक दलों से संवाद जारी, एनपीपी नेताओं से की मुलाकात

नई दिल्ली

चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को मेघालय के मुख्यमंत्री और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के अध्यक्ष कॉनराड संगमा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह बैठक आयोग की राजनीतिक दलों के साथ निरंतर संवाद और भागीदारी को बढ़ावा देने की पहल का हिस्सा थी। आयोग का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समावेशी और सहभागी बनाना है।

साप्ताहिक बैठकों की श्रृंखला के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने एनपीपी प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की। आयोग ने कहा कि यह संवाद राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को अपनी चिंताओं और सुझावों को सीधे आयोग के साथ साझा करने का अवसर प्रदान करेगा। यह रचनात्मक विमर्श लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अधिक मजबूत करेगा।

इससे पहले आयोग ने 6 मई को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती, 8 मई को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और 10 मई को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव एम.ए. बेबी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की थी।

## प्रमुख बंदरगाहों ने वित्त वर्ष 2024-25 में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं

नई दिल्ली

भारत के प्रमुख बंदरगाहों ने कार्गो हैंडलिंग में 4.3 फीसदी की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 819 मिलियन टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 855 मिलियन टन हो गई। ये वृद्धि बढ़ते व्यापार वॉल्यूम को समायोजित करने में प्रमुख बंदरगाहों की लचीलापन और क्षमता को उजागर करती है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि देश के प्रमुख बंदरगाहों ने पिछले दशक में लगातार उल्लेखनीय प्रगति प्रदर्शित की है। जहाज से माल ढुलाई, परिचालन दक्षता और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के मामले में वित्त वर्ष 2024-25 उपलब्धि पत्थर वर्ष के रूप में उभरा है। देश के प्रमुख बंदरगाहों के यातायात में ये वृद्धि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में उच्च कंटेनर थ्रूपुट (10 फीसदी), उर्वरक कार्गो हैंडलिंग (13 फीसदी), पीओएल कार्गो हैंडलिंग (3 फीसदी) और विविध वस्तुओं की हैंडलिंग (31 फीसदी) के कारण हुई।

मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में प्रमुख बंदरगाहों ने जहाज से माल ढुलाई (कार्गो हैंडलिंग) में 4.3 फीसदी की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है। वित्त वर्ष 2023-24 में जहाज से माल ढुलाई 819 मिलियन टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 855 मिलियन टन हो गई। यह वृद्धि बढ़ते व्यापार को समायोजित करने में प्रमुख बंदरगाहों की सुदृढता और क्षमता को उजागर करती है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कार्गो ट्रैफिक में वृद्धि उच्च कंटेनर प्रवाह क्षमता (थ्रूपुट) (10 फीसदी), उर्वरक कार्गो परिवहन (13 फीसदी), पीओएल कार्गो विविध वस्तुओं के परिवहन (31 फीसदी) की वजह से थी।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीबी उन्मूलन अभियान पर बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को तपेदिक (टीबी) उन्मूलन अभियान की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। भारत ने इस वर्ष के अंत तक भारत को क्षय रोग (टी.बी.) से पूरी तरह मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक की तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए लिखा, टीबी उन्मूलन के लिए भारत के मिशन पर एक बैठक की अध्यक्षता की।

सक्रिय जन भागीदारी से प्रेरित होकर, इस आंदोलन ने पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण गति प्राप्त की है। हमारी सरकार टीबी मुक्त भारत के सपने को साकार करने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा, स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव और प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने अपने राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत टीबी से निपटने के लिए महत्वपूर्ण रणनीतियां बनाई हैं।

## पाकिस्तान के एक अधिकारी को भारत से निष्कासित किया गया

नई दिल्ली

भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक अधिकारी को 'पसोर्ना नॉन ग्राटा' घोषित किया है। इस अधिकारी का नाम एहसान उर रहीम उर्फ डेनिश बताया जा रहा है। उन पर भारतीय सेना से संबंधित संवेदनशील जानकारियों को लीक करने के आरोप लगे हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत सरकार ने पाकिस्तान उच्चायोग, नई दिल्ली में कार्यरत एक अधिकारी को 'पसोर्ना नॉन ग्राटा' घोषित किया है क्योंकि वह अपनी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप गतिविधियों में लिप्त था। इस अधिकारी को 24 घंटों के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। इस संबंध में आज पाकिस्तान उच्चायोग के चार्ज द अफेयर्स को एक डेमार्च जारी की गई है। उल्लेखनीय है कि पंजाब पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति पाकिस्तान के इस अधिकारी के साथ कथित रूप से जुड़ा हुआ था।

## गालिब इंस्टिट्यूट में भव्य मेकअप एंड सेमिनार अवार्ड शो का आयोजन

### नैंसी मदान और विशाखा जाटनी की उपस्थिति ने कार्यक्रम को किया रोशन"

**दिव्य दिल्ली :** दिल्ली स्थित गालिब इंस्टिट्यूट में एक भव्य मेकअप एंड सेमिनार अवार्ड शो का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व हर्षल रम्मन ने किया।

इस शानदार कार्यक्रम में सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट नैंसी मदान ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को चार चांद लगाए। नैंसी मदान ने मेकअप आर्टिस्ट्स को लाइव मेकअप क्लास देकर उन्हें नए ट्रेंड्स और तकनीकों से परिचित कराया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि यूट्यूबर और इंस्टाग्राम क्रिएटर विशाखा जाटनी मौजूद रहीं, जिन्होंने मेकअप आर्टिस्ट्स को सर्टिफिकेट और अवार्ड देकर उन्हें सम्मानित किया।

विशाखा जाटनी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए आर्टिस्ट्स के कार्य को उजागर किया और उन्हें प्रेरित किया।कार्यक्रम के अंत में, विशाखा जाटनी ने सभी मॉडल्स और मेकअप आर्टिस्ट्स के साथ रैंप वॉक किया, जिससे इस अवार्ड शो का समापन एक शानदार मोड़ पर हुआ। इस कार्यक्रम ने मेकअप आर्टिस्ट्स को एक मंच प्रदान किया, जहाँ उन्होंने अपने कौशल को प्रदर्शित किया और एक दूसरे से काफी कुछ नया सीखा।"


Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397